Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 22
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 29 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

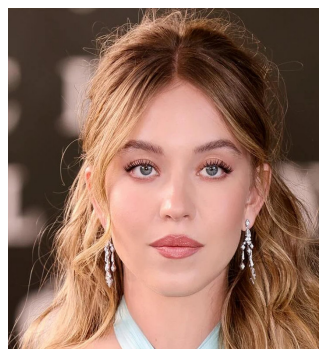

3 पवार परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़! ...

4 तेज विकास, धीमी भागीदारी, डिग्री के बाद....

7 टी20 विश्व कप पर अनिल कुंबले की ...

महाराष्ट्र के बारामती में प्लेन क्रैश में अजीत पवार की मौत, प्लेन में सवार 6 लोग भी मारे गये

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की बुधवार सुबह बारामती में लैंडिंग से पहले उनका प्लेन क्रैश होने से मौत हो गई। प्लेन में पवार और उनके सुरक्षा कर्मचारियों समेत छह लोग सवार थे। उप मुख्यमंत्री ज़िला परिषद चुनावों से पहले चार जनसभाओं को संबोधित करने के लिए अपने गृहनगर बारामती जाने के लिए सुबह मुंबई से निकले थे। क्रैश साइट से मिले विज़ुअल्स में इलाके में मलबा बिखरा हुआ दिख रहा था, और प्लेन से आग की लपटें और घना धुआं निकल रहा था। पवार एक प्राइवेट चार्टर्ड प्लेन में यात्रा कर रहे थे।

इस पूरी दुर्घटना के बारे में DGCA (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) ने भी अपना बयान जारी करते हुए कहा कि मुंबई से बारामती जा रहे चार्टर प्लेन के क्रैश लैंडिंग में पांच लोगों की मौत हो गई है, जिसमें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार भी शामिल हैं।

पवार मंगलवार को मुंबई में थे, जहां उन्होंने सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट कमेटी ऑन इंफ्रास्ट्रक्चर की बैठक में हिस्सा लिया। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।

बारामती में अजीत पवार के करीबी सहयोगी किरण गुर्जर ने कहा, 'अजीत पवार समेत सभी छह लोगों को मृत लाया गया।' बारामती एयरपोर्ट मैनेजर शिवाजी तावरे ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि विमान VT SSK लैंडिंग की कोशिश कर रहा था और विमान रनवे के किनारे चला गया और क्रैश होने पर उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि यह थी वू 45 था और इसे मुंबई से चार्टर किया गया था।

'जनता के नेता थे अजीत पवार', प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के निधन पर जताया गहरा शोक

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजीत पवार की आज सुबह पुणे जिले के बारामती में एक भीषण चार्टर्ड प्लेन क्रैश में मृत्यु हो गई। इस दुखद हादसे ने न केवल उनके परिवार और समर्थकों को, बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हृदयविदारक समाचार के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' (पूर्व में ट्विटर) पर एक अत्यंत भावुक संदेश साझा करते हुए दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री का भावपूर्ण संदेश

पीएम मोदी ने अजीत पवार के व्यक्तित्व और महाराष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए लिखाः 'श्री अजीत पवार जी लोगों के नेता थे, जिनका ज़मीनी स्तर पर मज़बूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्तित्व के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी काबिले तारीफ था। उनका असमय निधन बहुत चौंकाने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति।'

प्रशासनिक कौशल और जन-जुड़ाव की सराहना

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में विशेष रूप से अजीत पवार के 'प्रशासनिक कौशल' का उल्लेख किया। गौरतलब है कि अजीत पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था जिनकी फाइलों और सरकारी तंत्र पर जबरदस्त पकड़ थी। पीएम मोदी ने उनके 'गरीबों और वंचितों के प्रति जुनून' को भी सराहा, जो बारामती और राज्य के अन्य हिस्सों में उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों में झलकता है।

अजित पवार को महाराष्ट्र के विकास में उनके विशेष योगदान के लिए याद किया जाएगाः राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर बुधवार को शोक जताते हुए कहा कि उनका असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पवार को महाराष्ट्र के विकास खासकर सहकारी क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह पुणे जिले में विमान दुर्घटना में पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, श्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अजित पवार जी का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। उन्हें महाराष्ट्र के विकास में विशेषकर सहकारी क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सदैव याद रखा जाएगा। मैं उनके परिवार, समर्थकों एवं प्रशंसकों के प्रति गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर इस दुर्घटना में मारे गए अन्य सभी लोगों के परिवारों को भी इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गठबंधन के सवाल पर बोले टीवीके उप महासचिव, कहा- अफवाहों पर विश्वास न करें

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसी बीच पार्टियों का नाम अलग-अलग राजनीतिक दलों के साथ जोड़ा जा रहा है। इसपर तमिलगा वेट्ट्री कजगम (टीवीके) के उप महासचिव राजमोहन ने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया में टीवीके को विभिन्न राजनीतिक दलों से जोड़ने वाली खबरें फैलाई जा रही हैं। इसके साथ ही गठबंधन की अफवाहें भी चल रही हैं।

अफवाहों पर विश्वास न करें- राजमोहन

उन्होंने आगे कहा कि हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि ये सभी दावे पूरी तरह से झूठे, निराधार और बिना किसी सबूत के हैं। जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि पार्टी के रुख और निर्णयों के संबंध में आधिकारिक घोषणा होने तक ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें।

राज्य में सियासी पार चढ़ा

राज्य में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में वार-पलटवार का दौर जारी है। इस बीच सोमवार (26 जनवरी) को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे आयकर विभाग और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के डर से बना 'ब्लैकमेल गठबंधन' करार दिया।

यूजीसी के 'समानता नियमों' की संवैधानिक वैधता पर बहस, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की, क्योंकि शैक्षणिक परिसरों में जाति-आधारित भेदभाव को दूर करने के उद्देश्य से बनाए गए नए ढांचे को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब सामाजिक कार्यकर्ता और उद्यमी राहुल दीवान की ओर से अधिवक्ता पार्थ यादव ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के समक्ष याचिका का जिक्र किया। यादव ने अदालत से मामले पर तत्काल सुनवाई करने का आग्रह करते हुए कहा कि नियमों के लागू होने से भेदभाव होगा और इस मुद्दे पर तत्काल न्यायिक जांच की आवश्यकता है।

अनुरोध का जवाब देते हुए, मुख्य न्यायाधीश कांत ने सुनवाई की तारीख जल्द तय करने पर विचार करने की सहमति जताई और वकीलों से याचिका में मौजूद सभी खामियों को दूर करने को कहा ताकि मामले को सूचीबद्ध किया जा सके। दीवान की याचिका उन कम से कम तीन चुनौतियों में से एक है जो 2026 के नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट

पहुंची हैं। इन नियमों को यूजीसी ने 13 जनवरी को अधिसूचित किया था और इसके तहत 2012 के ढांचे को प्रतिस्थापित किया गया था। इनमें से एक याचिका उत्तर प्रदेश के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ता मृत्युंजय तिवारी ने दायर की है। दूसरी याचिका मंगलवार सुबह अधिवक्ता विनीत जिंदल ने दायर की।

अदालती कार्यवाही यूजीसी द्वारा अधिसूचित नए समानता नियमों पर चल रही व्यापक राष्ट्रीय बहस की पृष्ठभूमि में हुई। इन नियमों के तहत विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और मान्यता प्राप्त संस्थानों में भेदभाव की शिकायतों के निवारण और समावेश को बढ़ावा देने के लिए समान अवसर केंद्र और समानता समितियां स्थापित करना अनिवार्य है। ये नियम अगस्त 2019 में उच्च शिक्षा में भेदभाव-विरोधी सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की मांग वाली सर्वोच्च न्यायालय की याचिका का परिणाम हैं। जहां हाशिए पर रहने वाले छात्र समूहों ने इस ढांचे का स्वागत किया है, वहीं कई उच्च जाति के संगठनों और छात्रों ने इसका विरोध करते हुए आरोप लगाया है कि ये नियम अस्पष्ट हैं और इनका दुरुपयोग किया जा सकता है। मंगलवार को कुछ उच्च जाति के छात्रों ने दिल्ली स्थित यूजीसी मुख्यालय के बाहर नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

कोलकाता के गोदाम में लगी आग में 16 लोगों की मौत, 13 लापता, बचाव अभियान जारी

कोलकाता। कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक गोदाम में लगी आग से कम से कम 16 जले हुए शव बरामद किए गए हैं। अधिकारी अभी भी लापता कम से कम 13 लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं। इस आपदा के बाद आपातकालीन सेवाओं द्वारा बड़े पैमाने पर राहत कार्य शुरू किया गया है। अधिकारियों ने शवों की पहचान करने और त्रासदी से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के प्रयासों की पुष्टि की है। तड़के गोदाम में आग लग गई, जो वहां बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखे होने के कारण तेजी से फैल गई। दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर पुलिस जिले के पुलिस सूत्रों के अनुसार, इमारत के अंदर अभी भी जली हुई हड्डियों के टुकड़े मौजूद हैं, जो तबाही की भयावहता को दर्शाते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गोदाम में सूखा खाद्य पदार्थ रखा जाता था। सोमवार तड़के करीब 3 बजे आग लगी और पैकेटबंद सूखे खाद्य पदार्थों और

कोल्ड ड्रिंक की बोतलों जैसी ज्वलनशील सामग्री के भंडारण के कारण तेजी से फैल गई। घटना के बाद मंत्री अरूप बिस्वास, सांसद सैनी घोष और सुजीत बोस ने घटनास्थल का दौरा किया। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मैं आज यहां आया हूं। यह एक बेहद दुखद घटना है। कई लोगों की जान चली गई है। आग बहुत भीषण थी। दमकल विभाग और पुलिस आग लगने के कारणों और स्रोत की जांच कर रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि पहचान स्थापित करने के लिए फोरेंसिक टीमों ने बरामद शवों की जांच शुरू कर दी है। पहचान में अभी भी चुनौतियां हैं, इसलिए गुमशुदा व्यक्तियों की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है और अधिकारी परिजनों के रक्त नमूनों से डीएनए परीक्षण कराने की तैयारी कर रहे हैं। अदालत की मंजूरी के बाद यह प्रक्रिया शुरू होने वाली है। पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। मेयर फिरहाद हकीम ने पुष्टि करते हुए कहा, 'मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।' उन्होंने यह भी बताया कि डीएनए परीक्षण के माध्यम से पहचान की पुष्टि होने के बाद मुआवजा वितरित किया जाएगा।

विमानन शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

'भारत बनेगा ग्लोबल हवाई गेटवे, 2047 तक 400 से अधिक एयरपोर्ट'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विमानन शिखर सम्मेलन में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में निवेश का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय विमानन क्षेत्र ने ऐतिहासिक रूप से बदलाव और विकास देखा है। उन्होंने बताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में 2047 तक भारत में 400 से अधिक हवाई अड्डे होंगे। यह संख्या न सिर्फ यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और व्यापार को भी मजबूती देगी।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत अब सिर्फ घरेलू यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्लोबल साउथ और दुनिया के बाकी हिस्सों के बीच एक बड़ा हवाई गेटवे बन रहा है। इसका मतलब है कि भारत अंतरराष्ट्रीय विमानन क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाएगा।

निवेशकों और विमानन की ओर ध्यान देने पर जोर इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने निवेशकों और विमानन से जुड़े उत्पादक कंपनियों को भी अवसर की ओर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि देश के विमानन क्षेत्र में निवेश और निर्माण के लिए बहुत बड़े मौके हैं। पीएम मोदी ने यह भी जोर दिया कि भारत को विमानन क्षेत्र में खुद पर निर्भर रहने की दिशा में काम करना होगा और अन्य देशों पर निर्भरता कम करनी होगी।

महाराष्ट्र के महान सपूत अजित पवार को श्रद्धांजलि, फारूक अब्दुल्ला बोले- यह एक अपूरणीय क्षति

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन (जेकेएनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इस घटना को 'दुखद' बताया। मीडिया से बात करते हुए अब्दुल्ला ने जोर देकर कहा कि पवार के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह वाकई दुखद खबर है। आज सुबह जब मैंने यह सुना, तो मुझे लगा कि महाराष्ट्र के एक महान सपूत, जिन्होंने महाराष्ट्र की किस्मत बदलने की कोशिश की, आज विमान दुर्घटना में दुनिया से विदा हो गए। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। लेकिन भगवान के आगे कोई कुछ नहीं कर सकता। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अजीत पवार ने हमेशा महाराष्ट्र की जनता की सेवा करने का प्रयास किया। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली से रवाना होने से पहले ही मुझे यह खबर मिली मैं अजीत पवार को मुंबई में कॉलेज के दिनों से जानता हूं और पवार साहब के साथ रहा हूं... उन्होंने हमेशा महाराष्ट्र की जनता की सेवा करने का प्रयास किया। जो लोग उन्हें जानते थे और उनकी कार्यशैली को देखते थे, वे उन्हें एक कुशल प्रशासक और एक अच्छे राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में जानते थे। यह एक असमय निधन है। अपने पिता की ओर से, मैं पवार साहब, सुप्रिया सुले और उनके पूरे परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

बजट सत्र के दौरान भी उठेगा मनरेगा और SIR का मुद्दा, विपक्ष ने तय की विरोध की रणनीति

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र आज से शुरू है। इस दौरान विपक्षी दलों ने सत्र में नए मनरेगा कानून और एसआईआर के मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने का निर्णय लिया। सूत्रों ने बताया कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने यहां राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में मुलाकात की। इसके साथ ही बजट सत्र के लिए विपक्ष की रणनीति पर चर्चा की।

बजट पेश करने के समय में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया

नेताओं ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान और साथ ही केंद्रीय बजट की प्रस्तुति और उस पर बहस के दौरान भी विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'विपक्ष मनरेगा की बहाली की मांग के लिए सभी लोकतांत्रिक साधनों का इस्तेमाल करेगा।' लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान नेताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन करने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की

आलोचना करते हुए कहा कि यह शर्म की बात है। उन्होंने कहा, 'आज विपक्ष का जो रवैया रहा, वह देश के लिए शर्म की बात है। कांग्रेस और उसके सहयोगियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा। जब वंदे मातरम की 150वीं जयंती पर और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, तब विपक्ष ने सदन में हंगामा किया और कार्यवाही बाधित की, जबकि देश को उनके बलिदानों को याद करना चाहिए था।'

बैठक के दौरान टीएमसी और आप के नेता उपस्थित नहीं थे, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव रमेश और केसी वेणुगोपाल, डीएमके के टीआर बालू, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, समाजवादी पार्टी के जावेद अली खान, आरजेडी के प्रेम चंद गुप्ता, सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास, सीपीआई के पी संदोष और आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन सहित अन्य लोग शामिल थे। विपक्ष की यह बैठक कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा संसद के बजट सत्र में मनरेगा और एसआईआर से संबंधित मुद्दों को उठाने के निर्णय के एक दिन बाद हुई है।

अजित पवार को राहुल गांधी की श्रद्धांजलि, बोले- 'ईमानदार नेता खो दिया', खरगे ने भी जताया दुख

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका आज सुबह विमान दुर्घटना में निधन हो गया। पवार के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने कहा कि उन्हें एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने ईमानदारी और सूझबूझ से काम किया। खरगे ने एक्स पर लिखा कि विमान दुर्घटना में अजीत पवार के दुखद निधन की खबर बेहद चौंकाने वाली और बेहद दुखद है। यह एक ऐसे नेता का असामयिक देहांत है जिनका राजनीतिक करियर लंबा और उज्ज्वल था। इस कठिन घड़ी में शोक संतप्त परिवार जिस अपार दुःख से गुजर रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि मैं पूरे पवार परिवार, उनके समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। महाराष्ट्र की जनता की विभिन्न संवैधानिक पदों पर सेवा करने वाले अजीत पवार को एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने अपनी जनता के प्रति अपने दायित्वों को ईमानदारी और सूझबूझ से निभाया। उनकी आत्मा को शांति मिले।

राहुल गांधी ने आज सुबह मुंबई से बारामती जा रहे चार्टर्ड विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर अजीत पवार और चार अन्य लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया। लोकसभा सांसद ने लिखा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी और उनके सहयात्रियों के आज विमान दुर्घटना में निधन की खबर अत्यंत दुखद है। इस दुःख की घड़ी में मैं महाराष्ट्र की जनता के साथ खड़ा हूँ। इस दुख की घड़ी में मैं पूरे पवार परिवार और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

दादा के बिना महाराष्ट्र की राजनीति कुछ नहीं, भावुक संजय राउत बोले, एक बात का अफसोस रहेगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इसे राज्य के लिए 'काला दिन' बताया। अजीत पवार को लेकर जा रहा छोटा चार्टर विमान मुंबई से सुबह करीब 8 बजे उड़ान भरा और 45 मिनट बाद बारामती हवाई अड्डे के पास लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संजय राउत ने अजीत पवार के कार्यों को याद किया और प्रशासन पर उनकी मजबूत पकड़ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पवार कैबिनेट बैठकों में पूरी तैयारी के साथ आने वाले मंत्री के रूप में जाने जाते थे।

राउत ने कहा कि आज महाराष्ट्र के लिए काला दिन है। जब मुझे उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को ले जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर मिली, तो मुझे उम्मीद थी कि वे सुरक्षित बच जाएंगे। लेकिन फिर मुझे दुखद खबर मिली। उनके निधन से महाराष्ट्र में शोक

का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके बोलने, काम करने और प्रशासन संभालने का तरीका उनका बारामती से गहरा रिश्ता था। वे उद्धव ठाकरे के मंत्रिमंडल में मंत्री भी रह चुके थे। वे ऐसे मंत्री के रूप में जाने जाते थे जो पूरी तैयारी के साथ मंत्रिमंडल में आते थे। उन्होंने राज्य के महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे सिंचाई और जल, का गहन अध्ययन किया था। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आगे कहा शिवसेना (यूबीटी) की ओर से उद्धव ठाकरे शोक व्यक्त करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। पवार जिला परिषद चुनावों के लिए एक जनसभा में भाग लेने के लिए बारामती जा रहे थे, तभी विमान दुर्घटना में उनका निधन हो गया। पवार 27 जनवरी को मुंबई में थे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट की अवसंरचना समिति की बैठक में भाग लिया था। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने भावुक होकर इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया। सावंत ने कहा, यह बेहद दुखद खबर है, और बताया कि पवार परिवार इस खबर से सदमे में है। मैंने हमेशा उनकी बात मानी। वे एक साहसी व्यक्ति थे। बारामती क्षेत्र के विकास में उनका बड़ा योगदान था। मैं पूरे पवार परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। 66 वर्षीय अजीत पवार, दिग्गज राजनेता और राष्ट्रीय संसद के संस्थापक शरद पवार के भतीजे और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के चचेरे भाई थे। अधिकांश सांसद आज से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र में भाग लेने के लिए राजधानी में थे।

हम सबका बहुत बड़ा सहारा चला गया है- सहायता एवं पुनर्वसन मंत्री मकरंद जाधव पाटील

मुंबई। राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजितदादा पवार का आकस्मिक निधन अत्यंत दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। हम सबने अपना एक बहुत बड़ा सहारा खो दिया है। इसके अतिरिक्त अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं–इन शब्दों में सहायता एवं पुनर्वसन मंत्री मकरंद जाधव-पाटील ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मिट्टी से जुड़े व्यक्तित्व वाले, जनहित को प्राथमिकता देने वाले, स्पष्टवादिता बनाए रखते हुए प्रशासन पर मजबूत पकड़ रखने वाले और काम को सर्वोपरि मानने वाले नेता के रूप में उन्होंने जो पहचान बनाई थी, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी थी। राज्य के गरीब-गुरबों और समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों के लिए काम करने वाला, महाराष्ट्र को विकास की दिशा में आगे ले जाने वाला नेता आज हमने खो दिया है। आज की इस घटना से उनके परिवारजनों और हम सभी पर जो आघात हुआ है, उस आघात से उबरने की शक्ति सभी को मिले–इन शब्दों में मंत्री मकरंद जाधव-पाटील ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिलखुला व्यक्तित्व चला गया- शालेय शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। दादाओं का आकस्मिक निधन अत्यंत पीड़ादायक घटना है। महाराष्ट्र के लिए आज का दिन एक काला दिन है। जो दादा सदैव समय के पाबंद थे, वे आज समय से पहले ही हमें छोड़कर चले गए–यह घटना मन को सुन्न कर देने वाली है। स्पष्टवक्ता, निर्भीक व्यक्तित्व वाले, भोर से ही जनता के सुख-दुःख में स्वयं को समर्पित करने वाले, महाराष्ट्र के विकास की दूरदृष्टि रखने वाले दादा आज हमारे बीच नहीं हैं।

कार्यकर्ताओं के काम तात्कालिक रूप से करवाने की कला दादाओं में थी। प्रशासन पर उनकी मजबूत पकड़ थी। कल मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान एक विषय पर मेरी और दादाओं की चर्चा हो रही थी, उस समय उन्होंने बहुत ही दिलखुलास अंदाज़ में अपनी प्रतिक्रिया दी थी– वह क्षण आज भी मेरी आंखों के सामने है।

दादाओं पर पूरे महाराष्ट्र की जनता का अटूट प्रेम था। साथ ही सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता दादाओं का सम्मान करते थे। नासिक ज़िले सहित मालेगांव तालुका के समस्त नागरिकों की ओर से, तथा शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों, अभिभावकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से दादाओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

6 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे पुनः विस्तारित

रतलाम। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से शीतकालीन अवधि के दौरान बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए विशेष किराये पर संचालित 6 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे पुनः विस्तारित किए गए हैं।

पश्चिम रेलवे रतलाम मण्डल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विस्तारित फेरों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. बांद्रा टर्मिनस - अजमेर साप्ताहिक स्पेशल। ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल 23 फरवरी 2026 तक विस्तारित। ट्रेन संख्या 09621 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल 22 फरवरी 2026 तक विस्तारित। 2. अजमेर - दौंड साप्ताहिक स्पेशल ।ट्रेन संख्या 09625 अजमेर-दौंड साप्ताहिक स्पेशल 26 फरवरी 2026 तक विस्तारित। ट्रेन संख्या 09626 दौंड-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल 27 फरवरी 2026 तक विस्तारित। 3. अजमेर - सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल । ट्रेन संख्या 09627 अजमेर-सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल 25 फरवरी 2026 तक विस्तारित। ट्रेन संख्या 09628 सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल 26 फरवरी 2026 तक विस्तारित। 4. बीकानेर - साई नगर शिरडी साप्ताहिक स्पेशल । ट्रेन संख्या 04715 बीकानेर-साई नगर शिरडी साप्ताहिक स्पेशल 28 फरवरी 2026 तक विस्तारित। ट्रेन संख्या 04716 साई नगर शिरडी-बीकानेर साप्ताहिक स्पेशल 01 मार्च 2026 तक विस्तारित। 5. हिसार-खडकी साप्ताहिक स्पेशल । ट्रेन संख्या 04725 हिसार-खडकी साप्ताहिक स्पेशल 22 फरवरी 2026 तक विस्तारित। ट्रेन संख्या 04726 खडकी - हिसार साप्ताहिक स्पेशल 23 फरवरी 2026 तक विस्तारित। 6. हिसार - वलसाड साप्ताहिक स्पेशल। ट्रेन संख्या 04727 हिसार - वलसाड साप्ताहिक स्पेशल 25 फरवरी 2026 तक विस्तारित। ट्रेन संख्या 04728 वलसाड - हिसार साप्ताहिक स्पेशल 26 फरवरी 2026 तक विस्तारित। ट्रेनों के आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री वृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

इंदौर - बिलासपुर एक्सप्रेस चलेगी एल.एच.बी. रेक से

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से हो कर चलने वाली गाड़ी संख्या 18233/18234 इंदौर - बिलासपुर एक्सप्रेस को एल.एच.बी. रेक में बदलने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों की सुविधा एवं संरक्षा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 18233/18234 इंदौर - बिलासपुर एक्सप्रेस आई.सी.एफ. रेक के स्थान पर एल.एच.बी. रेक से चलेगी।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गाड़ी संख्या 18233 इंदौर - बिलासपुर एक्सप्रेस 31 मार्च, 2026 से तथा गाड़ी संख्या 18234 बिलासपुर - इंदौर एक्सप्रेस, 30 मार्च, 2026 से एल.एच.बी. रेक से चलेगी।

इस ट्रेन में एक फर्स्ट एसी, एक सेकंड एसी, पांच थर्ड एसी, नौ स्लीपर एवं चार सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेन के आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव आदि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

सोलापुर मंडल, मध्य रेल द्वारा 77वाँ गणतंत्र दिवस देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सोलापुर मंडल, मध्य रेल द्वारा 26 जनवरी 2026 को डॉ. बी.आर. आंबेडकर खेल परिसर, रेलवे इंस्टिट्यूट ग्राउंड, सोलापुर में 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर सोलापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. सुजीत मिश्रा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

मंडल रेल प्रबंधक ने गार्ड ऑफ़ ऑनर का निरीक्षण किया तथा रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ), सिविल डिफेन्स एवं स्काउट्स की टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत परेड की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने मध्य रेल के महाप्रबंधक का गणतंत्र दिवस संदेश भी पढ़कर सुनाया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सुजीत मिश्रा ने सभी रेल कर्मियों, उनके परिवारजनों तथा सम्मानित रेल उपभोक्ताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम के दौरान मंडलीय सांस्कृतिक अकादमी द्वारा सांस्कृतिक नृत्य एवं देशभक्ति गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ

दी गईं। आरपीएफ डॉग स्क्वाड द्वारा विशेष डॉग शो का आयोजन किया गया, जिसमें तीन लैब्राडोर कुत्तों ने विस्फोटकों का पता लगाने एवं सुरक्षा कार्यों में सहायता करने की अपनी उत्कृष्ट क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

समारोह के अंतर्गत सोलापुर मंडल के 36 रेलकर्मियों को उनकी सराहनीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन (सीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ), सोलापुर की पदाधिकारी द्वारा बाल विकास मंदिर विद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। मंडल रेल प्रबंधक, सोलापुर द्वारा गणेश हॉल कॉलोनी स्थित स्काउट एवं गाइड्स डेन तथा सिविल डिफेन्स संगठन कार्यालय में भी ध्वज फहराया गया।

सीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ, सोलापुर की सदस्यों ने मंडल रेल प्रबंधक की उपस्थिति में डॉ. कोटनिस मेमोरियल रेलवे अस्पताल, सोलापुर में भर्ती रोगियों को उपहार एवं फल वितरित किए।

इस समारोह में मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, सोलापुर की पदाधिकारीगण; अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) सोलापुर; सभी विभागों के शाखा अधिकारी; मान्यता प्राप्त यूनियनों के पदाधिकारी; रेलकर्मी तथा उनके परिवारजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वय कार्मिक विभाग द्वारा किया गया।

प्रो. मनुहार चौबे की काव्य-पुस्तक 'मनु का मनुहार' का भव्य विमोचन

नागपुर। नागपुर की उभरती हुई लेखिका एवं कवयित्री प्रो. मनुहार विजय चौबे के काव्य-संग्रह 'मनु का मनुहार' का भव्य विमोचन समारोह नागपुर स्थित नक्षत्र बैंक्वेट में साहित्यिक गरिमा और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ. दयानंद तिवारी (मुंबई), महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल, नागपुर के पूर्व महापौर एवं भाजपा शहराध्यक्ष डॉ. दयाशंकर तिवारी तथा वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शशिकांत शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों के कर-कमलों से पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया।

'मनु का मनुहार' काव्य-संग्रह में कुल 52 कविताएँ संकलित हैं, जिनमें प्रकृति, जीवन-मूल्य, आत्मचिंतन, सामाजिक संवेदना, बचपन की स्मृतियाँ और

सकारात्मक सोच जैसे विषयों को सरल किंतु प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया गया है। कविताएँ पाठक के मन को स्पर्श करने के साथ-साथ आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती हैं।

पुस्तक की भूमिका लिखते हुए डॉ. दयानंद तिवारी ने संग्रह की मुक्तकंठ से सराहना की और कहा कि यह कृति मानवीय भावनाओं, सामाजिक सरोकारों और जीवन-दर्शन का सशक्त साहित्यिक दस्तावेज है। पूर्व महापौर डॉ. दयाशंकर तिवारी ने संग्रह की 52 कविताओं की तुलना सूर्य की 52 किरणों से करते हुए इसे ऊर्जा, प्रकाश और सकारात्मकता से परिपूर्ण बताया। कुलपति प्रो. डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शशिकांत शर्मा ने कवयित्री के साहित्यिक व्यक्तित्व की सराहना करते हुए इस काव्य-संग्रह को भावनात्मक परिपक्वता और रचनात्मक चेतना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया तथा उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की कामना की।

समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी, बुद्धिजीवी एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो. मनुहार चौबे ने सभी अतिथियों, साहित्यप्रेमियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपनी सफलता का श्रेय अपने मार्गदर्शक डॉ. दयानंद तिवारी, भगवान श्री महागणेश एवं अपने जीवनसाथी श्री विजय चौबे को दिया।

उधना -अयोध्या कैंट के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रतलाम। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखकर रतलाम मंडल से होकर उधना - अयोध्या कैंट के मध्य ट्रेन संख्या 09093/09094 उधना -अयोध्या कैंट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, , इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः-

ट्रेन संख्या 09093 उधना -अयोध्या कैंट साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को उधना से 07.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। यह ट्रेन उधना से 13 फरवरी से 27 मार्च, 2026 तक चलेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के रतलाम(13.35/13.45), नागदा(14.23/14.25), उज्जैन(15.25/15.30), मक्सी(16.30/16.32), एवं सीहोर(18.00/18.02) बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09094 अयोध्या कैंट-उधना स्पेशल प्रत्येक शनिवार को अयोध्या कैंट से 14.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन को 17.15 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन यह ट्रेन अयोध्या कैंट से 14 फरवरी से 28 मार्च, 2026 तक चलेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के सीहोर(06.19/06.21), मक्सी(07.21/07.23), उज्जैन(07.58/08.03), नागदा(08.58/09.00), रतलाम(09.40/09.50) बजे आगमन/प्रस्थान होगा।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ और बाराबंकी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

खुली ई–निविदा संख्याः मरेप्रकार्य नागपुर–10–2026 दिनांक 23.01.2026. कार्य का नामः 1. चंदूर बाजार–नरखेर खंड पर किलोमीटर 749/984–990, 783/933–940 और 714/612–617 पर जल निकासी व्यवस्था में सुधार और एल.एच.एस. की मरम्मत के लिए प्रस्तावित कार्य। 2. नरखेर–नागपुर खंड पर एलसी संख्या 287A के स्थान पर एलएचएस के शेष कार्य और एलएचएस के लिए जल निकासी व्यवस्था में सुधार का प्रस्ताव। **अनुमानित लागतः** रु. 3,72,41,474.14 **बयाना राशिः** रु. 3,36,200/– **निविदा बंद होने की तिथिः** 16.02.2026 एवं समय 15:00 बजे। ई–टेंडरिंग की विस्तृत जानकारी एवं सूचना तथा ऑन लाइन भाग लेने हेतु रेल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
DE/34 **मध्य रेलवे, नागपुर**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

निविदा आमंत्रण सूचना

खुली निविदा सूचना संख्याः **BB.M.LTT.TC.52.ARTank150Lvol2 dated 24.01.2026; कार्य का नामः** मुंबई डिवीजन के एलटीटी कोचिंग डिपो के LHB कोचों में 150 लीटर सहायक रिजर्वायर को जोड़ने के लिए फीड पाइप और एयर सस्पेंशन लाइन में CAI संशोधन का कार्य।; **अंदाजित मूल्यः** रु. 47,10,031.94 (सैंतालीस लाख दस हजार इकतीस रुपये और चौरानवे पैसे मात्र); **कार्य समापन की तिथिः** 06 महीने; **बयाना राशि जमाः** रु. 94,200/– (चौरानवे हजार दो सौ रुपये मात्र); **निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति का दिनांक और समयः** 16.02.2026 को 11:00 बजे तक। निविदाएं केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई–टेंडरिंग प्रारूप में स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट में उपलब्ध है। "यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017/ दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।" **DE-855**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और जयपुर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तार किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09706/09705 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09706 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल को 30 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09705 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 29 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09706 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 29 जनवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा 01 फ़रवरी, 2026 से और चार उपनगरीय ट्रेन सेवाओं की शुरुआत

पश्चिम रेलवे पर कुल सेवाओं की संख्या 1410 हो जाएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्री सुविधा बढ़ाने और उपनगरीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 01 फ़रवरी 2026 से 12-कोच वाली 04 अतिरिक्त नॉन-एसी उपनगरीय ट्रेन सेवाएँ शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इन अतिरिक्त सेवाओं के शुरू होने से पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय खंड पर कुल उपनगरीय सेवाओं की संख्या 1406 से बढ़कर 1410 हो जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह वृद्धि कांदिवली-बोरीवली के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद संभव हो पाई है। छठी लाइन के कमीशन होने के पश्चात बोरीवली और बांद्रा टर्मिनस के बीच सभी बांद्रा टर्मिनस की ओर आने/जाने वाली लम्बी दूरी की ट्रेनों को पाँचवीं एवं छठी लाइन पर स्थानांतरित किया गया है, जिससे परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

इन 04 नई सेवाओं में से 02 अप दिशा में और 02 डाउन दिशा में होंगी, जो स्लो मोड में परिचालित की जाएंगी। अप दिशा में एक सेवा भायंदर से बांद्रा के लिए होगी, जो 11:39 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि दूसरी सेवा भायंदर से चर्चगेट के लिए होगी, जो 12:14 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, डाउन दिशा में 02 अतिरिक्त सेवाएँ बांद्रा से भायंदर के लिए होंगी, जो बांद्रा से क्रमशः 04:30 बजे और 13:21 बजे प्रस्थान करेंगी।

इन सेवाओं के शामिल होने के परिणामस्वरूप कुछ मौजूदा उपनगरीय सेवाओं के समय में मामूली परिवर्तन किए गए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे कृपया इन परिवर्तनों को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

पवार परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़! 'अजीत दादा' के निधन पर फूट-फूट कर रोते दिखे युगेंद्र पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे ऊर्जावान और कद्दावर नेता, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार अब हमारे बीच नहीं रहे। बुधवार सुबह बारामती में हुए एक भीषण विमान हादसे में उनका असामयिक निधन हो गया। इस खबर ने न केवल महाराष्ट्र की सियासत को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि पवार परिवार और करोड़ों समर्थकों के दिल तोड़ दिए हैं।

अजीत पवार हमेशा की तरह अपने चिर-परिचित अंदाज में पहाटे (तड़के सुबह) मुंबई से बारामती के लिए रवाना हुए थे। उन्हें वहां विभिन्न कार्यक्रमों और जनसभाओं में हिस्सा लेना था। जब उनका चार्टर्ड विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था, तभी तकनीकी खराबी के कारण वह पास के एक खेत में जा गिरा। विमान जमीन से इतनी जोर से टकराया कि उसमें तुरंत आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में अजीत पवार का मौके पर ही निधन हो गया।

पवार परिवार पर सबसे बड़ा आघातः फूट-फूट कर रोए युगेंद्र पवार

अजीत पवार के निधन की खबर जैसे ही उनके निवास और परिवार तक पहुँची, वहां सन्नाटा पसर गया। यह पवार परिवार के लिए अब तक का सबसे बड़ा और गहरा घाव है। खबर सामने आने के बाद, उनके भतीजे को फोन पर बात करते हुए रोते हुए देखा गया। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री, अनिल देशमुख, डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन की खबर सुनकर मीडिया के सामने टूट गए और उनके पास शब्द नहीं थे। बारामती का हर नागरिक आज खुद को अनाथ महसूस कर रहा है। पवार परिवार के अन्य सदस्य भी इस सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। अजीत पवार केवल एक नेता नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के प्रशासन की 'रफ्तार' थे। सुबह जल्दी काम शुरू करने की उनकी कार्यशैली और बेबाक निर्णय लेने की क्षमता उन्हें दूसरों से अलग बनाती थी।

महाराष्ट्र की राजनीति के दो अलग किनारों पर होने के बावजूद, शिवसेना (ऊँऊ) के सांसद संजय राउत ने अजीत पवार के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें राज्य का 'सबसे मजबूत स्तंभ' बताया। राउत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'अजीत दादा' के बिना महाराष्ट्र का राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य अब 'बेचव और अळणी' (फीका और बेस्वाद) हो गया है। राउत ने बताया कि जैसे ही बारामती में विमान दुर्घटना की खबर आई, वे और उनका पूरा दल दादा के सकुशल होने की प्रार्थना कर रहा था। उन्होंने कहा, 'हमें लगा था कि वे इस संकट से भी बाहर निकल आएंगे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। यह महाराष्ट्र के लिए एक अत्यंत काला दिन है।' राउत ने कहा कि राज्य पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उन्होंने कहा कि अजीत पवार की प्रशासन पर मज़बूत पकड़ थी और बाराती से उनका गहरा जुड़ाव था। उन्होंने याद किया कि ठाकरे के नेतृत्व वाली कैबिनेट के दौरान, अजीत पवार उपमुख्यमंत्री थे और कैबिनेट को आकार देने में उनकी अहम भूमिका थी।

लैंडिंग से ठीक पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया विमान, पुणे ग्रामीण एसपी संदीप सिंह ने जानें क्या कहा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह ने बुधवार को बताया कि बारामती विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद विमान सुबह करीब 8:40 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। पुणे ग्रामीण एसपी ने बताया कि शवों को पास के अस्पताल में ले जाया गया है और उनकी पहचान की जा रही है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए पुणे ग्रामीण एसपी ने कहा, 'पांच लोगों को ले जा रहा विमान आज सुबह करीब 8:40 बजे लैंडिंग से ठीक पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है और उनके शवों को यहां के अस्पताल में लाया गया है। शवों की पहचान होने के बाद हम अपडेट देंगे। दुर्घटनास्थल पर एक विशेषज्ञ दल मौजूद है। एनसीपी प्रमुख का आज सुबह मुंबई से बारामती जाते समय एक चार्टर विमान में निधन हो गया। वह 27 जनवरी को मुंबई में थे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट की अवसंरचना समिति की बैठक में भाग लिया था।

इस बीच, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की एक विशेष टीम बारामती में हुई विमान दुर्घटना की जांच करेगी, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और चालक दल के सदस्यों सहित पांच लोगों की जान चली गई। जांच के दौरान, जांच दल फ्लाइट रिकॉर्डर, उन्नत ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वार्निंग सिस्टम (ईजीपीडब्ल्यूएस) और डिजिटल इंजन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम (डीईईएस) को प्राप्त करेगा।

विमान से संबंधित एयरफ्रेम और इंजन लॉगबुक, वर्क ऑर्डर, ऑन-बोर्ड दस्तावेज़ और प्रमुख निरीक्षण रिकॉर्ड ऑपरेटर से जांच के लिए एकत्र किए जाएंगे। जांच दल ने चालक दल और विमान से संबंधित दस्तावेज़ नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से भी मांगे हैं। रडार डेटा की रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी फुटेज, एटीसी टेप रिकॉर्डिंग और हॉटलाइन संचार को आगे के विश्लेषण के लिए प्राप्त किया जाएगा।

विमान दुर्घटना में अजित पवार की मृत्यु के मामले में जांच होगीः एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को विमान हादसे में अपने सहयोगी उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जिस विमान दुर्घटना में पवार की जान गई, उसकी जांच की जाएगी।

शिंदे ने पत्रकारों से बातचीत में पवार के योगदान की सराहना की, जिन्होंने विभिन्न मंत्रिमंडलों में उनके सहयोगी के रूप में कार्य किया और 2022 से 2024 तक शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री भी रहे।

उन्होंने कहा, ''यह बहुत पीड़ादायक घटना है... महाराष्ट्र के लिए बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। विमान दुर्घटना की जांच की जाएगी।'' शिंदे ने कहा, ''यह क्षति केवल पवार परिवार की नहीं बल्कि पूरे राज्य की है। ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने बड़े भाई को खो दिया हो।''

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह पुणे जिले में विमान दुर्घटना में 66 वर्षीय पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई। शिंदे ने कहा कि पवार का मन शुद्ध था और वह साफगोई से बात रखने वाले निडर नेता थे जिनकी प्रशासन पर अच्छी पकड़ थी।

उन्होंने याद किया कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान जब उन्होंने (2024 में) 'लाडकी बहिन योजना' शुरू करने का निर्णय लिया था तो कैसे तत्कालीन वित्त मंत्री पवार ने योजना के मद में वित्तीय व्यवस्था की थी, जिसके तहत राज्य की महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। शिंदे ने कहा, ''हमने (शिंदे, पवार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने) एक टीम के रूप में काम किया।

अजीत पवार के निधन पर भावुक हुए उद्धव ठाकरे, बोले- राजनीति अलग थी, पर रिश्ता नहीं टूटा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य ने एक दृढ़ नेता और उत्कृष्ट सहयोगी को खो दिया है। ठाकरे ने कहा कि दोनों के बीच उत्कृष्ट सहयोगियों के रूप में एक विशेष बंधन विकसित हुआ था और उन्होंने पवार के खुले दिल वाले स्वभाव की प्रशंसा की। ठाकरे ने कहा कि पवार द्वारा राजनीति में अलग रास्ता चुनने के बावजूद, उन्होंने हमारे रिश्ते को टूटने नहीं दिया।

एक्स पर एक पोस्ट में ठाकरे ने कहा कि मैंने अपने मंत्रिमंडल से एक दृढ़ नेता और उत्कृष्ट सहयोगी को खो दिया है। जब मैं मुख्यमंत्री था, अजित पवार उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे। वे अपने विभाग पर मजबूत पकड़ और वित्त विभाग की गहरी समझ रखने वाले अत्यंत अनुशासित नेता थे। उत्कृष्ट सहयोगियों के रूप में हमारे बीच एक विशेष बंधन विकसित हुआ था। अजीत पवार खुले दिल के थे। वे बेबाक थे। वे लंबे समय तक किसी से बैर नहीं रखते थे। भले ही उन्होंने राजनीति में अलग रास्ता चुना, लेकिन उन्होंने हमारे रिश्ते को टूटने नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि पवार पूरे महाराष्ट्र में दादा के नाम से जाने जाते थे और उनके निधन से राज्य के नेतृत्व में एक बड़ा खालीपन आ गया है। महाराष्ट्र में वे 'दादा' के नाम से लोकप्रिय थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वे इतनी जल्दी हमें छोड़कर चले जाएंगे। वे एक ऐसे नेता के रूप में जाने जाते थे जो अपने कार्यकर्ताओं को बहुत महत्व देते थे। उनके निधन से राज्य के नेतृत्व में एक बड़ा खालीपन आ गया है। हर मायने में वे सचमुच 'दादा' थे। मेरी ओर से, ठाकरे की ओर से और शिवसेना परिवार की ओर से दादा को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि!

अजित पवार का आज सुबह महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया। डीजीसीए के अनुसार, महाराष्ट्र के मुंबई से बारामती जा रहे चार्टर्ड विमान की आज सुबह 8.45 बजे हुई दुर्घटना में चालक दल सहित पांच लोगों की मौत हो गई। मुंबई-बारामती चार्टर्ड विमान की दुर्घटना बारामती के रनवे पर हुई। पवार के साथ 2 अन्य कर्मचारी (1 पीएसओ और 1 अटेंडेंट) और 2 चालक दल के सदस्य भी विमान में सवार थे। दुर्घटना के बारे में और जानकारी की प्रतीक्षा है।

नागपुर में वसंत पंचमी

ऋतु बसन्त आये सतगुरु जग में, चलो चरनन पर सीस धरो री?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'बसंत की पावन ऋतु के साथ ही परम दयालु, परम कृपालु सतगुरु का इस धरती पर अवतरण हुआ। आइए, हम सभी उनके पावन चरणकमलों में शीश नत करें।'

बसंत पंचमी-2026 के शुभ अवसर पर, यह पावन पर्व राधास्वामी मत के मुख्य केंद्र दयालबाग तथा विश्वभर के सत्संग समुदायों में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। यह पावन अवसर निष्काम सेवा के शाश्वत आदर्श–फल की अपेक्षा किए बिना कर्तव्य और सेवा के पथ पर अग्रसर रहने–के प्रति पुनः समर्पण की प्रेरणा देता है, जो दयालबाग के जीवन और आचरण का मूल आधार है।

माघ मास (जनवरी/फरवरी) में आने वाली पंचमी तिथि, जिसे बसंत पंचमी कहा जाता है, हिंदुओं के लिए अत्यंत पावन और शुभ मानी जाती है तथा इसे हर्ष, उल्लास और आनंद का प्रतीक माना जाता है। शीत ऋतु के पश्चात बसंत का आगमन पशु-पक्षियों, मानव जीवन और समस्त वनस्पति जगत में नई ऊर्जा और चेतना का संचार करता है। संतों ने इस ऋतु को सृष्टि के परम प्रभु के पृथ्वी पर प्राकट्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समय बताया है।

राधास्वामी मत के सत्संगियों के लिए बसंत पंचमी अत्यंत आनंद और उल्लास का दिवस है, क्योंकि इसी पावन दिन–15 फरवरी 1861–को मत के प्रथम परम पूज्य गुरु, परम पुरुष पूरन धनी हुज़ूर स्वामीजी महाराज ने सर्वप्रथम सृष्टि के कल्याण हेतु दिव्य उपदेश प्रदान किया तथा सत्संग वेश द्वार सामान्य जन के लिए खोले। बसंत पंचमी के शुभ दिन, 20 जनवरी 1915 को, राधास्वामी मत के पंचम परम पूज्य गुरु, सर साहबजी महाराज ने शहतूत का पौधा रोपित कर दयालबाग की नींव रखी।

राधा स्वामी सत्संग, दयालबाग़ के अनुयाइयों द्वारा, हर साल की भाँति, इस वर्ष भी 23 जनवरी को वसंत उत्सव महाराष्ट्र और गुजरात के 16 केंद्रों में अत्यंत हर्ष और उल्लास से मनाया गया इसमें बच्चों पुरुषों और महिलाओं द्वारा वसंत उत्सव की महत्वता को लेकर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इसी कड़ी में नागपुर शाखा के सत्संगियों ने भी बसंत पंचमी को हर्षोल्लास से मनाया. इस दौरान विशेष सत्संग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्पोर्ट्स आदि का आयोजन किया गया जिसमें सभी सत्संगियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया.

परमपूज्य गुरु महाराज प्रो. प्रेम सरन सत्संगी साहब की उपस्थिति में वसंत पंचमी के कार्यक्रम 580 से अधिक सत्संग केंद्रों पर हुआ लाइव प्रसारण हुआ । इस अवसर पर 'ब्रावो-सुप्रेमल-ऑक्टेवो' तथा 'राधास्वामी' जैसे सामूहिक उद्घोष वातावरण को ऊर्जा, उत्साह और आध्यात्मिक चेतना से भर देते हैं।

क्षमा, तप और त्याग से ही जीवन सफल होता है - गोपाल महाराज

नवी मुंबई। काबिल व्यक्ति से यदि कभी छोटी-सी भूल हो जाए तो उसे त्याग देना सनातन संस्कार नहीं है, बल्कि क्षमा करना ही भारतीय संस्कृति की आत्मा है। सुप्रसिद्ध कथा वाचक पं. गोपाल महाराज ने कोपरखैरने सेक्टर-1 स्थित 4 गार्डन में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान यह अमृतवाणी कही।

महाराज ने कहा–

'क्षमावान् भवेत् धर्मः',

अर्थात क्षमा ही धर्म का मूल है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि डॉक्टर हजारों लोगों की जान बचाता है, यदि उससे कभी भूल हो जाए तो उसे माफ कर देना चाहिए। अपनों का त्याग नहीं करना चाहिए।

गोपाल महाराज ने सनातन परंपरा का स्मरण कराते हुए कहा–

'न दानं समं स्नेहात',

अर्थात स्नेहपूर्वक दिया गया छोटा उपहार भी महान होता है।

उन्होंने कहा कि बेटी, बहन, गुरु और मित्र के यहां कभी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। संत जब किसी के द्वार पर आते हैं तो वे भी कुछ न कुछ देकर ही जाते हैं।

तप ही संकटों से उबारता है मानव को

कथा के दौरान महाराज ने कहा कि जीवन में आने वाले संकटों से मनुष्य को विचलित नहीं होना चाहिए, क्योंकि तप और धैर्य से ही संकटों का निवारण संभव है। उन्होंने कहा–

'तपः स्वाध्यायनिरतं तपस्वी वाग्विदां वरम्'

(तप और स्वाध्याय में रत व्यक्ति ही श्रेष्ठ होता है।)

महाराज ने भगवान श्रीराम के आदर्शों का स्मरण कराते हुए कहा कि जीवन जीने की कला पुरुषोत्तम श्रीराम से सीखनी चाहिए। राजा दशरथ द्वारा राजतिलक की घोषणा से अयोध्या में उल्लास छा गया था, लेकिन वनगमन की खबर से पूरी अयोध्या स्तब्ध रह गई। इसके बावजूद भगवान राम ने 14 वर्षों के वनवास को सहर्ष स्वीकार किया।

इस प्रसंग पर उन्होंने रामचरितमानस की चौपाई का भावार्थ प्रस्तुत किया–

'रघुकुल रीति सदा चली आई,

प्राण जाए पर वचन न जाई।'

भगवान राम ने बिना किसी विलंब के राजपाट त्याग कर भ्राता लक्ष्मण और माता सीता के साथ वन प्रस्थान किया।

धन-संपदा से बढ़ता वैर, घटता धैर्य

गोपाल महाराज ने कहा कि आज भूमि और संपत्ति के लिए भाई-भाई का शत्रु बन जाता है। धन-संपदा के लोभ में धैर्य और संतोष समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा–

'लोभः पापस्य कारणम्'

अर्थात लोभ ही पाप का मूल कारण है। उन्होंने बताया कि फूलों की शैया पर सोने वाले राम, लक्ष्मण और सीता ने वन में कुश, पत्थर और कंकड़ की शैया पर रातें बिताईं, फिर भी वे कभी विचलित नहीं हुए। आज मनुष्य थोड़ा सा कष्ट आते ही स्वयं को संसार का सबसे दुखी प्राणी मान लेता है।

कार्यक्रम में संजय राय, नागेश सिंह, विपिन राय, सुनील दुबे, तारकेश्वर राय, मारुति राय, ओमप्रकाश सिंह, आशुतोष सिंह, संजय गुप्ता, सुरेश जयसवाल सहित संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

जनता से सीधे संवाद साधकर विकासोन्मुख नीतियों को दिशा देने वाला परिवार का मुखिया चला गया- कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे

मुंबई।राज्य के उपमुख्यमंत्री, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, मेरे मार्गदर्शक और परिवार के मुखिया रहे अजित पवार के आकस्मिक निधन की खबर मेरे लिए असहनीय पीड़ा देने वाली है। आज महाराष्ट्र ने केवल एक अनुभवी नेता ही नहीं, बल्कि जनता से सीधे संवाद साधने वाला, विकास को ही अपना धर्म मानने वाला एक कर्तव्यनिष्ठ जननेता खो दिया है। यह पीड़ा पारिवारिक हैष्ठ और यह दुःख शब्दों से परे है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। पवार परिवारजनों को और हम सभी को यह दुःख सहन करने की शक्ति दे–इन शब्दों में कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाव व्यक्त करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। ऐसा महसूस हो रहा है जैसे कोई नेता नहीं, बल्कि घर का ही कोई सदस्य चला गया हो। अजितदादा पवार हमारे लिए केवल नेता ही नहीं थे, बल्कि वे सहारा थे, मार्गदर्शक थे, कठिन समय में साथ खड़े रहने वाले परिवार के सदस्य थे। आज उनके जाने से मन में जो खालीपन पैदा हुआ है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। हमेशा ढाढ़स बंधाने वाला, 'मैं हूं' कहने वाला स्वर आज हमेशा के लिए शांत हो गया है।

अजितदादाओं का जाना मेरे व्यक्तिगत जीवन की बहुत बड़ी क्षति है। मेरे सामाजिक और राजनीतिक जीवन की शुरुआत ही अजितदादाओं के सान्निध्य से हुई। इसलिए मेरे जीवन के हर पड़ाव पर मुझे दादाओं का सहारा, मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिला। मेरी तरह हजारों कार्यकर्ताओं को उन्होंने खड़ा किया, गढ़ा और विश्वास दिया। कार्यकर्ता से जिला परिषद सदस्य, अध्यक्ष, विधायक और तीन बार मंत्री बनने तक की मेरी यात्रा दादाओं के समर्थन से ही संभव हो सकी। पिछले चार दशकों में उन्होंने लाखों कार्यकर्ताओं को ताकत दी। अजितदादाओं ने कभी जाति-पाति की राजनीति नहीं की। केवल विकास और आम आदमी–यही उनका विज़न हमेशा स्पष्ट रहा। बेबाक और स्पष्ट रहते हुए विकास की यही भूमिका लेकर उन्होंने अंतिम सांस तक सामान्य नागरिकों के लिए काम किया। महाराष्ट्र और आम जनता के विकास के लिए सुबह 5 बजे से काम शुरू कर देर रात तक यह नेता निरंतर दौड़ता रहा।

आज भी विश्वास नहीं हो रहा कि अजितदादा हमारे बीच नहीं हैं। आज बारामती तालुका में उनकी सार्वजनिक सभाएं निर्धारित थीं। मुंबई से बारामती आते समय विमान के लैंडिंग के दौरान हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में उनका निधन हो गया–यह घटना मन को भीतर तक झकझोर देने वाली है।

अजितदादाओं के साथ बिताई असंख्य स्मृतियां आज भी आंखों के सामने तैर रही हैं। पिंपरी-चिंचवड़ और बारामती जैसे रोल-मॉडल शहरों का निर्माण करते हुए उन्होंने विकास को एक अलग ही दिशा दी। महाराष्ट्र के इतिहास में सर्वाधिक छह बार उपमुख्यमंत्री पद संभालने का रिकॉर्ड उन्होंने दर्ज किया था। अब तक उन्होंने महाराष्ट्र का बजट सर्वाधिक 11 बार प्रस्तुत किया। साथ ही सिंचाई, ऊर्जा और वित्त जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने उत्कृष्ट कार्य किया। असंख्य संस्थाएं, शासकीय इमारतें और विकास कार्यों के माध्यम से उनकी दूरदृष्टि हमेशा जीवित रहेगी। दादा आज हमारे बीच भले न हों, लेकिन हर विकास कार्य को देखते समय उनकी याद आए बिना नहीं रहेगी।

साथ चलने वाला, प्रेरणा देने वाला, काम के जरिए नेतृत्व सिखाने वाला सहकर्मी खो देना जीवन में पैदा हुई एक बहुत बड़ी शून्यता है। प्रभावी, दृढ़ और निर्णायक नेतृत्व के रूप में अजित पवार की पहचान थी। उनके साथ काम करना राजनीति में सीखने की एक सतत यात्रा थी। काम में स्वयं को निरंतर झोंककर लोगों के काम करने की उनकी खासियत थी।

सम्पादकीय

मणिपुर में फिर अराजकता कांगपोकपी में आगजनी के बाद क्या टूट रही है शांति की उम्मीद?

काफी मुश्किल से मणिपुर में हालात थोड़े काबू में आते दिखने लगे थे और इसी वजह से उम्मीद की जाने लगी थी कि वहां जटिल हो चुकी समस्या का अब शायद कोई समाधान निकल सके। मगर राज्य में बीते कुछ दिनों के भीतर जिस तरह हिंसा की एक नई लहर देखी जा रही है, उससे एक बार फिर स्थिति बिगड़ने की आशंका खड़ी हो गई है।

गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सोंगलुंग गांव में सोमवार को उग्रवादियों ने कई घरों और फार्म हाउसों में आग लगी दी। यह इलाका कुकी-जो बहुल है और पहले भी कुछ उग्रवादी संगठनों के निशाने पर रहा है। हालांकि आगजनी और हमले में किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह साफ है कि इस वारदात का मकसद जातीय तनाव की आग को भड़काना और राज्य को फिर से अराजकता की आग में झोंकना था। इसके संकेत भी सामने आए जब कांगपोकपी जिले के एक कुकी संगठन ने सरकार से चौबीस घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की और ऐसा न होने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। संगठन ने यह भी कहा कि जिले के कुकी बहुल इलाकों के गांवों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में अगर हालात बिगड़ते हैं तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

अफसोस की बात यह है कि हिंसा की आग से उपजी व्यापक त्रासदी के बावजूद अब भी कोई ऐसा हल सामने नहीं आ सका है, जिससे विवाद और टकराव में शामिल सभी समुदाय सहमत हों और शांति की राह निकल सके। इसके उलट अब ऐसे मुद्दों पर भी हिंसक गतिविधियां सामने आती दिखने लगी हैं, जो दो समुदायों के बीच दूरी को पाटने की एक कड़ी बन सकती थी। हाल ही में एक कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेई युवक की संदिग्ध उग्रवादियों ने हत्या कर दी।

दूसरी ओर, खबरों के मुताबिक, सोंगलुंग गांव में ताजा हमला करने वाले उग्रवादी संगठन का कहना है कि जिस इलाके में घरों और फार्महाउसों को जलाया गया, वहां अफीम की अवैध खेती होती थी। जबकि कुकी-जो संगठनों का कहना है कि सोंगलुंग गांव में कभी अफीम की खेती नहीं हुई और अस्थायी फार्महाउसों के बजाय आवासीय मकानों को जला दिया गया। सवाल है कि अगर कहीं कोई अवैध गतिविधि चल रही है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी प्रशासन की है या उग्रवादी संगठन की?

यह छिपा नहीं है कि मई, 2023 से मणिपुर में जारी हिंसा की आग का सबसे बड़ा कारण अलग-अलग स्थानीय समुदायों के बीच कई मसलों पर सीधा टकराव रहा है। हिंसा और अराजकता में अब तक वहां ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए।

मगर अफसोस की बात है कि मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विरोध के बाद जारी हिंसा और अराजकता का हल आज तक नहीं निकल सका है, जबकि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय विवाद में शामिल जातीय संगठनों के बीच कई स्तर पर बातचीत हुई। हैरानी की बात है कि देश के किसी भी इलाके में हिंसा और अराजकता जैसे हालात पर काबू पाने के मकसद से गठित सुरक्षा बलों का तंत्र भी वहां नाकाम दिखता है। दरअसल, जिन सवालों पर वहां विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा हुआ, सबसे पहले उसका समाधान निकालने की जरूरत है। मगर इसके लिए ईमानदार इच्छाशक्ति की जरूरत है, जिसका फिलहाल राज्य और शासन से लेकर हर स्तर पर अभाव दिखता है।

तेज विकास, धीमी भागीदारी, डिग्री के बाद भी भारतीय महिलाएं कार्यबल से बाहर क्यों?

भारत की गिनती विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में की जाती है। विकास की यह यात्रा सड़कों, इमारतों, डिजिटल सुविधाओं, वैश्विक निवेश और सकल घरेलू उत्पाद जैसे मानकों के आंकड़ों से मापी जाती है। मगर इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक ऐसा प्रश्न लगातार अनुत्तरित है, जिसे अनदेखा करना अब संभव नहीं। यह सवाल है–क्या देश की महिलाएं इस विकास यात्रा में समान रूप से सहभागी हैं? यदि नहीं, तो क्यों? यह मसला केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय प्रगति की नींव से जुड़ा है।

यह सच है कि हाल के वर्षों में महिलाओं की शिक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्राओं की संख्या कई स्थानों पर छात्रों से अधिक है। परीक्षा परिणामों में भी वे अव्वल रहती हैं। यह एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है, जो दशकों के प्रयासों का नतीजा है। इसके बावजूद जब शिक्षा से रोजगार की ओर बढ़ने का समय आता है, तो कार्यबल में महिलाओं की उपस्थिति बहुत कम नजर आती है। यह विरोधाभास भारतीय समाज की गहरी संरचनात्मक समस्याओं को उजागर करता है।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर लगभग तैंतीस फीसद के आसपास है, जबकि पुरुषों की भागीदारी दर पचपन फीसद से अधिक है। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और अवसरों की असमानता का द्योतक है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में स्थिति और चिंताजनक हो जाती है। अनेक विकासशील देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी भारत से कहीं अधिक है। ग्रामीण भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देती है, पर उसका स्वरूप चिंताजनक है। अधिकांश महिलाएं कृषि, घरेलू

उत्पादन या पारिवारिक श्रम में संलग्न हैं, जहां उन्हें न तो नियमित वेतन मिलता है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

उनका श्रम आधिकारिक आंकड़ों में दर्ज तो हो जाता है, मगर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता और सामाजिक सम्मान उन्हें प्राप्त नहीं होता। शहरी क्षेत्रों में महिलाएं शिक्षित और कुशल हैं, मगर सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थिर रोजगार तक उनकी पहुंच सीमित है। इसके परिणामस्वरूप वे या तो अल्प वेतन पर काम करती हैं या फिर कार्यबल से पूरी तरह बाहर हो जाती हैं।

महिलाओं की कार्यबल से दूरी करिअर का त्याग करना पड़ता है।

यह त्याग स्वैच्छिक कम और परिस्थितिजन्य अधिक होता है। समाज में गहराई से बैठी यह धारणा कि महिलाओं की प्राथमिकता घर है और कार्य केवल एक विकल्प, उनकी आर्थिक स्वतंत्रता में सबसे बड़ी बाधा है।

एक अन्य गंभीर समस्या है 'वेतन असमानता'। विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में समान कार्य के लिए महिलाओं को पुरुषों की तुलना में औसतन बीस-पच्चीस फीसद कम वेतन प्राप्त होता है। यह अंतर महिलाओं के आत्मविश्वास, कार्य-संतोष और दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा को गहराई से प्रभावित करता है। यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदेह है, क्योंकि इससे महिलाओं की क्रय शक्ति और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है।

सरकार की ओर से महिला केंद्रित अनेक कानून और योजनाएं बनाई गई हैं। इनमें कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण, मातृत्व लाभ, समान वेतन का अधिकार और महिला-केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम भी शामिल है। मगर समस्या कानूनों की अनुपस्थिति की नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

अनेक महिलाएं आज भी अपने अधिकारों से अनभिज्ञ हैं, और जो जागरूक हैं, वे सामाजिक दबाव या नौकरी छूटने के भय से आवाज उठाने से परहेज करती हैं। कार्यस्थलों पर शिकायत निवारण तंत्र या तो मौजूद नहीं होते या फिर इतने कमजोर होते हैं कि महिलाएं उन पर भरोसा नहीं कर पातीं।

पिछले वर्ष प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत में कार्यरत महिलाओं का बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में है, जहां न तो कार्य समय निश्चित है और न ही भविष्य की कोई सुरक्षा। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब महिलाएं गर्भावस्था, प्रसव या पारिवारिक कारणों से कार्य से विराम लेती हैं। पुनः कार्यबल में लौटना उनके लिए कठिन हो जाता है, क्योंकि नियोक्ता अनुभव में आए इस अंतर को नकारात्मक रूप से देखते हैं। हालांकि कुछ सकारात्मक उदाहरण भी सामने आए हैं। कुछ राज्यों में महिलाओं के लिए विशेष रोजगार योजनाएं, स्वयं सहायता समूह और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। वर्ष 2025 में तमिलनाडु समेत कुछ राज्यों में महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए गए हैं।

केरल और महाराष्ट्र में भी महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष वित्तीय सहायता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यह दर्शाता है कि यदि नीति, इच्छाशक्ति और सामाजिक सहयोग एक साथ आएं, तो परिवर्तन संभव है। हालांकि इन प्रयासों का प्रभाव तब तक सीमित रहेगा, जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं होगा। महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में बराबर की हिस्सेदारी से जुड़ा मसला भी है।

विभिन्न अध्ययनों में यह बात उभर कर सामने आई है कि यदि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के समान स्तर तक पहुंच जाए, तो देश की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के आकलन के अनुसार, भारत अपनी जीडीपी में बीस-तीस फीसद तक की वृद्धि दर्ज कर सकता है, यदि लैंगिक अंतर को समाप्त कर दिया जाए।

आज के दौर में यह जरूरी है कि कार्यस्थलों को अधिक समावेशी बनाया जाए, जहां लचीले कार्य समय, सुरक्षित परिवहन, बाल देखभाल सुविधाएं और समान वेतन सुनिश्चित हों। साथ ही परिवार और समाज को भी यह स्वीकार करना होगा कि महिला का कार्य करना कोई विकल्प नहीं, बल्कि उसका अधिकार है। पुरुषों को भी घरेलू जिम्मेदारियों में समान भागीदारी निभानी होगी। जब तक यह समझ विकसित नहीं होगी, तब तक कानून कागजों में और अवसर आंकड़ों में ही सिमटे रहेंगे।

कंपनियों को केवल विविधता के आंकड़े प्रस्तुत करने से आगे बढ़कर वास्तविक समावेशन की संस्कृति विकसित करनी होगी। महिलाओं के लिए कौशल कार्यक्रम, नेतृत्व विकास प्रशिक्षण और करिअर पुनः प्रवेश कार्यक्रम आवश्यक हैं। साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए सख्त नीतियां और उनका पालन अनिवार्य है।

सवाल यही है कि क्या हम महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी मानते रहेंगे, या उन्हें विकास का सक्रिय सहभागी बनाएंगे? जब तक महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी सम्मान, सुरक्षा और समानता के साथ सुनिश्चित नहीं होती, तब तक यह कहना कठिन है कि भारत का विकास वास्तव में समावेशी है। कानून मौजूद हैं, वादे और घोषणाएं भी हैं, पर अब समय की मांग है कि अवसर भी उतने ही स्पष्ट, सुलभ और समान हों। यह परिवर्तन केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में आमूलचूल बदलाव से ही संभव है।

भीड़ में घिरा मन और भीतर का बंद कमरा क्या हम खुद से मिलना भूलते जा रहे हैं?

मिलने-जुलने का संदर्भ आमतौर पर इस तरह देखा जाता है कि हम अपने घर-परिवार से लेकर मित्रों-परिचितों और अन्य लोगों से भेंट-मुलाकात, बातचीत और विचार-विमर्श करते हैं और उससे समाज का एक ऐसा दायरा बनाते हैं, जो हमारे अपने लिए भी जीवन-तत्त्व का वाहक बनता है। मगर हमारे भीतर क्या कोई ऐसा कमरा है, जहां हम अपने आपसे मिलते हैं? आज के समय में यह प्रश्न थोड़ा अनुपयुक्त-सा लगता है, क्योंकि हमारे चारों ओर इतने लोग हैं-दोस्त, परिवार, दफ्तर, भीड़, समुदाय और अब तो मोबाइल की स्क्रीन पर हर समय कोई-न-कोई किसी रूप में उपस्थित रहता है।

मगर इस सारी उपस्थिति के बीच क्या हमने कभी यह देखा है कि हम अपने भीतर कहां रहते हैं? किस जगह लौटते हैं, जब शब्द थक जाते हैं, जब शोर भारी हो जाता है, जब हम किसी को कुछ समझा नहीं पाते और किसी से कुछ सुन नहीं पाते? उस जगह का नाम ही शायद हमारे भीतर का अकेला कमरा है।

ऐसा लगता है कि हम सबके भीतर एक ऐसा स्थान होता है, जहां कोई भूमिका नहीं होती। न बेटा, न पिता, न मित्र, न नेता, न अधिकारी, न लेखक, न उच्च, न निम्न। बस केवल हम होते हैं, मानो धरती के नीचे बहती शांत, गहरी और सच्ची जलधारा। वहां कोई शोर नहीं होता, जिससे हम ध्यान भटका सकें। वहां कोई प्रशंसा नहीं होती, जो हमारी थकान पर फूल रख दे। कोई रोशनी नहीं होती, जो रास्ता दिखा दे। वहां हम ही होते हैं, अपने सबसे सच्चे रूप में। शायद इसी कारण हम उस कमरे को लंबे समय से टालते आ रहे हैं।

यह कमरा हममें से बहुतों के जीवन में धीरे-धीरे बंद होता जा रहा है। या फिर इस तरह भर गया है कि भीतर प्रवेश की जगह ही नहीं बची। हमने अपने जीवन को इतनी भागदौड़, इतने संकेतों, उत्तरदायित्वों और इतनी अपेक्षाओं में बांध लिया है कि हम अपने भीतर की शांति से दूर होते चले गए हैं। आज हममें से बहुत लोग दूसरों के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन अपने लिए नहीं। कभी-कभी सुबह की चाय के साथ या रात को सोने से पहले एक क्षण आता है जब मन हल्का-सा ठहरता है, लेकिन उसी क्षण हम फोन उठा लेते हैं, खुद से बचने के लिए, क्योंकि अपने भीतर लौटना कठिन है।

दरअसल, हमारे भीतर का अकेला कमरा डर का स्थान नहीं, पुनर्मिलन का स्थान है। वहीं हम सीखते हैं कि जीवन केवल लक्ष्य नहीं, अंतरयात्रा भी है। वहीं समझ में आता है कि दुख कोई कमी नहीं, मन का तापमान है और खुशी कोई उपलब्धि नहीं, मन की खुली खिड़की है। वहीं यह भी ज्ञात होता है कि हम दुनिया में चाहे जैसा दिखें, हम भीतर से बहुत साधारण, बहुत मानवीय, बहुत नाजुक हैं। इस नाजुक होने को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी शक्ति है। समाज हमें लगातार कहता है कि दिखाओ, बनो, साबित करो, आगे बढ़ो, बोलो, लेकिन हमारे भीतर का कमरा धीरे से कहता है-रुको, सुनो, समझो, स्वीकार करो।

यह स्वीकार करो कि हम पूर्ण नहीं हैं, हम थकते हैं, हम टूटते हैं, हम खो जाते हैं, हम गलत होते हैं। और यही वह क्षण है जहां मन पर पड़ी धूल हटती है और हम अपने आप से मिलते हैं। भले हमारी दुनिया तेज हो जाए, रफ्तार बढ़ जाए, उपलब्धियां मिल जाएं, नाम और प्रशंसा बढ़ जाए, लेकिन हम अपने भीतर नहीं लौटते, तो जीवन कहीं न कहीं अधूरा रह ही जाता है,

क्योंकि पूर्णता उपलब्धि से नहीं, अपने भीतर के संबंध से पूरी होती है। यह कमरा कोई पहाड़ की गुफा नहीं, न किसी तीर्थ का स्थान, न कोई दायर्शनिक प्रयोगशाला। यह बस एक क्षण है, एक श्वास, एक मौन। जो हम खुद को देते हैं। इस मौन में हम फिर से अपने भीतर रहने वाले मनुष्य को देखते हैं। वही मनुष्य, जो प्रेम कर सकता है, दुख को समझ सकता है, माफ कर सकता है, लौट सकता है। यही लौटना किसी भी विकास, प्रगति, सफलता से कहीं बड़ा, कहीं सच्चा होता है।

आज योजनाबद्ध होते जीवन के प्रत्येक चरण में मन को समझने की कोई योजना नहीं होती। हम मन को या तो नजरअंदाज कर देते हैं या उसे समझाने की कोशिश करते रहते हैं, बिना उसे सुने। अक्सर ऐसा होता है कि जब हम शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और मानसिक रूप से थक जाते हैं। तब मन खुद ही इस कमरे का दरवाजा खोल देता है। मौन में रखा हुआ मन हमसे पूछता नहीं, बस याद दिलाता है कि 'तुम्हें इतना भी अकेला नहीं होना चाहिए कि तुम खुद से दूर हो जाओ।'

हमारे भीतर का कमरा वह जगह है, जहां दुख भी अपने वास्तविक स्वरूप में दिखाई देता है। वहां दुख न बड़ा होता है, न छोटा। दुख बस दुख होता है।और जब कोई मनुष्य दुख को दुख की तरह देख लेता है, बिना कहानी बनाए, बिना दोष दिए, बिना भागे हुए, तो दुख धीरे-धीरे ऐसा शांत जल बन जाता है, जिससे मन फिर से जगा हुआ महसूस करता है।

अपने जीवन में समय हमें यह सिखा देता है कि रिश्तों का स्थायित्व हमारे पास नहीं होता, लेकिन अपने भीतर लौटना हमेशा हमारे पास होता है। यही कारण है कि जो व्यक्ति अपने भीतर के कमरे को पहचान लेता है।

अरावली पर्वतमाला : अवैध खनन रोकने में जनसहभागिता भी जरूरी

सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए हो जाती है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। यही कारण है कि 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है। 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है। अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेष को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेस चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है।

अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है।

अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है। दरअसल अरावली पर्वतमाला केवल प्राकृतिक अवस्था नहीं है बल्कि अन्य सब कारकों के साथ ही इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। अरावली श्रृंखला धूलभरी आंधियों से संरक्षित करती है तो जल संरक्षण और नदियों का स्रोत भी है। वन्य जीवों सहित जैव विविधता को अपनी कोख में संरक्षित किये हुए हैं। अब दोहरा संकट सामने हैं। एक और अरावली के संरक्षण की आवष्यकता है तो दूसरी और बेशकीमती खनिजों का खनन भी समय की मांग है। हांलाकि जैसा नवंबर के आदेश के बाद विशेषज्ञों के विष्लेषण सामने आये हैं वह कहानी कुछ और ही कहता है पर यह विवाद या बहस का विषय हो सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अवैध खनन एक प्रमुख कारण रहा है। हांलाकि दिसंबर के केप्ट इन एवियांस आदेश के साथ ही राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने प्रदेष में अरावली क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर, 25 से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। अभियान के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1445 प्रकरण दर्ज हुए और संबंधित पुलिस थानों में 320 एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान 140 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। 82898 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 68 एक्सक्वेटर, जेसीबी सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए और 1223 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये गये। अभियान के दौरान जुर्माने के रुप में 9 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा किए गए। यह भौतिक उपलब्धि रही है। खैर आंकड़ों को अलग रख भी दिया जाए तो राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ईमानदार प्रयास किये हैं। केन्द्र सरकार ने भी अरावली संरक्षण को लेकर कार्ययोजना घोषित की है। इस क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध तो है ही। चिंतनीय और गंभीर सवाल यह उठता है कि नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय के अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के कुछ समय बाद जिस तरह से अरावली संरक्षण के लिए देश व्यापी आवाज उठी और जिस तरह से डीपी लगाने और प्रदर्शन आदि का दौर चला वह दिसंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नवंबर के आदेश को केप्ट इन एवियांस करने के साथ ही ना जाने कहां नेपथ्य में चला गया। हांलाकि अरावली पर्वतमाला को लेकर जिस तरह से आवाज उठाई गई वह जागरुकता की मिसाल मानी जा सकती है। बाद में तो कुछ छुट-पुट आवाज ही सुनाई दी। जबकि मीडिया लगातार अग्रलेखों व अन्य तरह से इस मुद्दे को जीवित रखे रहा। सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी ने अवैध खनन के प्रति जिस तरह से गंभीरता दिखाई है और रोक लगाने के निर्देश दिए हैं वह समस्या की जड़ तक पहुंचने में सहायक है। जब हम सब मानकर चल रहे हैं और जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी एक तरह से मोहर लगा दी है कि समस्या की जड़ अवैध खनन गतिविधियां है तो फिर आवाज की गूंज अवैध खनन पर रोक की भी तेज होनी चाहिए। अब सवाल यह भी उठता है कि अवैध खनन करने वाले कौन है? अरावली पर्वतमाला को खोखला करने वाले कौन है? कोई आप हम में से आम आदमी तो हो नहीं सकता। निश्चति रुप से प्रभावशाली लोगों का ही यह काम है। मजे की बात यह है कि इस तरह के लोगों में से कुछ तत्व ही आंदोलन के अगुवा बन जाते हैं। फिर धरातलीय बात की जायं तो यह मानना ही पड़ेगा कि स्थानीय लोगों, स्थानीय प्रशासन और सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं से छुप कर अवैध खनन होता हो तो यह भी गले उतरने वाली बात नहीं हो सकती। ऐसे में भले ही आरोप प्रत्यारोप किसी पर भी लगे, कहने को सरकार और सरकारी मशीनरी को दोषी बताया जाएं पर आमआदमी और गैरसरकारी संस्थाओं, सोशल एक्टिविस्टों की भी समाज के प्रति जिम्मेदारी बनती है। तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि राजस्थान सरकार द्वारा या किसी भी राज्य की सरकार द्वारा अभियान चलाये जाते हैं या अन्य सामान्य परिस्थितियों में अवैध खनन गतिविधियों की शिकायत भूल भटकी ही प्राप्त होती है। बात कड़बी अवश्य लग सकती है पर यह भी सही है कि अधिकांश शिकायतें आपसी रंजिश के कारण होती है या ब्लेकमेल कर कुछ लाभ प्राप्त करने की होती है। अन्यथा यदि जहां भी अवैध खनन हो रहा है वहां के आसपास के लोग या एक्टिविस्ट सक्रिय हो जाएं तो लाख प्रयासों के बावजूद अवैध खनन नहीं हो सकता है और अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। ठीक है सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार को सख्ती से अवैध खनन गतिविधियों को रोकना भी चाहिए पर यह भी साफ हो जानी चाहिए कि वैध खनन को प्रोत्साहित करके ही अवैध खनन पर कारगर रोक संभव है और दूसरी यह कि सरकार के साथ ही आमजन को भी सक्रिय होने के साथ ही अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा।

जिलाधिकारी ने कान्हा गौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का लिया जायजा

निर्माण कार्य लम्बित पाए जाने पर ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने नगर पालिका परिषद मंझनपुर के वार्ड नंबर-17 में निर्माणाधीन कान्हा गौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से निर्माणाधीन परियोजना की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्माण कार्य लम्बित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि और लेबर बढ़ाकर गुणवत्ता के साथ माह अप्रैल, 2026 तक कार्य पूर्ण कराई जाय। उन्होंने निर्माण कार्य लम्बित एवं मौके पर केवल 08 लेबर ही कार्य करते हुए पाए जाने पर अधिशासी अधिकारी को ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अधिशासी अधिकारी प्रतिभा सिंह ने बताया कि निर्माणाधीन कान्हा गौशाला की लागत रुपए-01.65 करोड़ है, जिसकी क्षमता 500 गोवंशों की है। 02 शेड व चारागोदाम आदि का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। एप्रोच मार्ग का निर्माण कार्य राज्य वित्त से कराया जाएगा।

हमारा संविधान हमारा गर्व है और गणतंत्र दिवस हमारी पहचान - जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भाजपा जिला कार्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ध्वजारोहण कर देश के संविधान, लोकतंत्र की एकता के प्रति अपनी आस्था प्रकट कर जनपदवासियों को बधाई दी।

ज्ञात हो कि जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित किया कि गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि भारत अनेक धर्मों, भाषाओं, वेशभूषाओं, खान- पान और संस्कृतियों को समेटे हुए विविधता में एकता का जीवंत प्रतीक है, हमारी एकता को राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् में अत्यन्त ढंग से पिरोया गया है।गणतंत्र दिवस का शुभ अवसर हमें अतीत, वर्तमान और भविष्य में अपने देश की स्थिति और दिशा पर चिंतन करने का अवसर प्रदान करता है। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन की शक्ति ने 15 अगस्त, 1947 को हमारे देश की स्थिति बदल दी। भारत स्वतंत्र हुआ। हम अपने राष्ट्रीय भाग्य के स्वयं निर्माता बने।26 जनवरी, 1950 से हम अपने गणतंत्र को संवैधानिक आदर्शों की ओर अग्रसर कर रहे हैं। उस दिन हमारा संविधान पूर्णतः लागू हुआ।

लोकतंत्र की जन्मभूमि भारत, प्रभुत्व प्रणाली से मुक्त हुआ और हमारा लोकतांत्रिक गणतंत्र अस्तित्व में आया।हमारा संविधान विश्व इतिहास के सबसे बड़े गणराज्य का आधारभूत दस्तावेज है। हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श हमारे गणराज्य की परिभाषा हैं। संविधान निर्माताओं ने संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से राष्ट्रवाद की भावना और देश की एकता के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया है। ऐसी तमाम बातों को विस्तार पूर्वक बताया इस मौके पर एससी एसटी अयोग सदस्य जितेंद्र कुमार गौतम, नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सरोज फौजी, जिला मंत्री प्रदीप कुमार शीलू पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, वरिष्ठ नेता भोलेशंकर कुशवाहा, सम्मानित मण्डल अध्यक्षगण कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

25 जरूरमंद छात्राओं को साइकिल वितरित सिहोरी में निजी फाउंडेशन ने किया वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सिहोरी टोल प्लाजा पर क्यूब हाईवे फाउंटेनसन द्वारा 25 जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल वितरित की गई यह वितरण भारती राजमार्ग प्राधिकरण की प्रेरणा से किया गया की प्रेरणा से किया गया।

ज्ञात हो कि सिहोरी टोल प्लाजा के प्रबंधक अनूप पांडेय ने बताया कि भरवारी स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं को यह साइकिल दी गई है इस अवसर पर कोखराज हंडिया एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड की परियोजना प्रमुख उदय भान सिंह वरिष्ठ प्लाजा प्रबंधक शशि भूषण द्विवेदी और वरिष्ठ प्रबंधक सड़क सुरक्षा अभिषेक कुमार उपस्थित थे कार्यक्रम के दौरान छात्रों और उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई उन्हें दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग करने सुरक्षित गति बनाए रखने और यातायात नियमों का पालन करने की प्रति जागरूक किया गया इस आयोजन में विद्यालय के प्रधानाचार्य शिक्षक और छात्रों के अभिभावक भी मौजूद रहे।

राष्ट्रभक्ति के नारों से गूंजा जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज

मंत्र भारत संवाददाता

भरवारी । 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर चाकवन चौराहा, भरवारी रोड़ स्थित जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम कि मुख्य अतिथि सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। ध्वजारोहण के पश्चात विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने उपस्थित छात्र- छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान के मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है। उन्होंने बच्चों से शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, देशप्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम कि अध्यक्षता करते हुये उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, सांस्कृतिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यालय कि प्रबंधक विद्या सिंह, प्रधानाचार्य सत्य नारायण सिंह, प्रीति सिंह, रिचा सिंह, नीलम सिंह, वैशाली, अदीबा, रंजना, अमिता, प्रिया, सुबेश, उदय सिंह, राकेश पाठक, ओम प्रकाश चौबे आदि शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई तथा सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

एकल अभियान कौशाम्बी में 300 विद्यालय संचालित आचार्यों को कंबल देकर सम्मानित किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद के भरवारी और मूरतगंज में एकल अभियान द्वारा आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम चिरंजी लाल गेस्ट हाउस में कमलेश कुमार साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस समारोह में बताया गया कि एकल अभियान कौशांबी अंचल में 300 से अधिक विद्यालयों का संचालन कर रहा है।

ज्ञात हो कि अभियान का उद्देश्य पंचमुखी शिक्षा के माध्यम से बच्चों को शिक्षित, स्वस्थ, विकसित, स्वाभिमानी और संस्कारित बनाना है। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर एकल अभियान द्वारा सभी आचार्यों को कंबल उपहार स्वरूप में भेंट कर सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम का कुशल संचालन एकल अभियान कौशांबी के जिला संगठन मंत्री संजय कुमार साहू ने किया। इस अवसर पर संच आरोग्य समिति के राम प्रकाश, संच महिला समिति प्रभारी राखी, संच प्रशिक्षण सुषमा श्रीवास्तव, रंजना कुशवाहा सहित कई आचार्य बहनें उपस्थित रहीं।

पुलिस लाइन्स में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षुओं को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के उपलक्ष्य में आज रिजर्व पुलिस लाइन्स जनपद कौशाम्बी में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स/कौशाम्बी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल, प्रतिसार निरीक्षक देवपाल, आरटीसी प्रभारी शिवचरण राम व प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी और एआरटीओ ने प्रशिक्षुओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी और सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त की मदद करने वाले व्यक्तियों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन धनराशि प्रदान करने और उन्हें विशेष अवसरों पर सम्मानित करने की भी व्यवस्था है।

अधिकारियों ने प्रशिक्षुओं को यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने हेतु जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में, क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी द्वारा सभी उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के संबंध में शपथ दिलाई गई।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल की सभी शाखाओं में गणतंत्र दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूलों में विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रमों आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ चेयरमैन सुशील कुमार मिश्र, स्कूल प्रबंधक डॉ. श्रीमती स्वतंत्र मिश्र के द्वारा की गई। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या सुविशाखा और शिक्षिकाएं संजु सरोज, रितु यादव, अदिति मिश्रा, उपासना पांडेय व अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अति मनमोहक प्रस्तुतियाँ हुईं जिनमें नृत्य, गीत, नाटक, कविताओं ने सभी का मन मोह लिया।

बच्चों द्वारा प्रस्तुत विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे।

स्कूल की प्रबंधक डॉ स्वतंत्र मिश्रा ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है। हमें समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को मिठाई वितरित किए गए। सभी शाखाओं में गणतंत्र दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मरीजों को सर्जरी जैसी उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं के लिए अब बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा : डॉ. मनमीत सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मेदान्ता हॉस्पिटल, लखनऊ के वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं डायरेक्टर - एडवांस यूरोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट एवं रोबोटिक सर्जरी डॉ. मनमीत सिंह की नियमित ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ आज सनातन हेल्थ केयर एंड रिसर्च सेंटर, प्रयागराज में किया गया। इसी अवसर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भी किया गया, जिसमें शहर के प्रमुख चिकित्सक, मीडिया प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम का संयोजन एवं विशेष सहयोग सनातन एकता मिशन के माध्यम से किया गया.प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. मनमीत सिंह ने कहा कि अब प्रयागराज और आसपास के जिलों के मरीजों को एडवांस यूरोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट एवं रोबोटिक सर्जरी जैसी उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं के लिए अब बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि पेशाब में खून आना, किडनी स्टोन का लेज़र उपचार, प्रोस्टेट संबंधी रोग, किडनी कैंसर एवं पेशाब की थैली के कैंसर जैसे मामलों में समय पर विशेषज्ञ परामर्श जीवन रक्षक सिद्ध हो सकता है, और यह सुविधा अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी।

सनातन एकता मिशन के प्रतिनिधियों ने इस पहल को प्रयागराज के स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं आदित्य पाठक ने कहा कि संस्था का उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को आम जनता तक सुलभ कराना है, ताकि गंभीर बीमारियों का इलाज समय रहते और किफायती रूप से हो सके।

सनातन हेल्थ केयर एंड रिसर्च सेंटर के संतोष सिंह ने जानकारी दी कि डॉ. मनमीत सिंह की ओपीडी प्रत्येक माह के चौथे बुधवार को सुबह 11:00 बजे से 1:00 बजे तक नियमित रूप से आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम के अंत में बताया गया कि अन्य मेदांता के डॉक्टर की ओपीडी के लिए भी पूर्व पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है और मरीज संपर्क नंबर 9451474987 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मेदान्ता जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सक की नियमित उपलब्धता से प्रयागराज न केवल पूर्वांचल बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी एडवांस यूरोलॉऔर किडनी उपचार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

उत्तर प्रदेश दिवस पर श्रीमती सुशील को मिला उत्कृष्ट शिक्षिका सम्मान

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर प्रयागराज में आयोजित उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में जिले के चयनित शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' रहे। समारोह की अध्यक्षता मंडल आयुक्त प्रयागराज श्रीमती सौम्या अग्रवाल ने की। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष वर्मा तथा मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल सिंह द्वारा गठित चयन समिति की संस्तुति पर जिले के उत्कृष्ट शिक्षक शिक्षिका में कुल पांच शिक्षिका शिक्षक का चयन किया गया था। विकासखंड बहरिया के प्राथमिक विद्यालय कुसुगुर की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुशील को उत्कृष्ट शिक्षिका को मुख्यअतिथि माननीय मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने उन्हें प्रशस्ति सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शिक्षिका की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों की मेहनत और समर्पण से ही बच्चों का भविष्य संवरता है। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी तथा शिक्षक शिक्षिकाएं कार्यक्रम में मौजूद रहे।

प्रयाग उत्थान समिति का किया गया कार्यालय का उद्घाटन समारोह

बाबा बागेश्वर की हनुमंत कथा में जुटेंगे लाखों लोग : डा उदय प्रताप सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बाबा बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री के हनुमंत कथा को लेकर प्रयाग उत्थान समिति ने कार्यालय का उद्घाटन समारोह मुट्ठीगंज में आयोजित किया गया इस अवसर पर डा उदय प्रताप सिंह ने कार्यालय का उद्घाटन किया और कहा कि बाबा बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री की दिव्य हनुमंत कथा प्रयागराज के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा जो 7 मार्च से 11 मार्च को परेड ग्राउंड में होगा उन्होंने कहा कि कथा की मंगल कलश यात्रा में 10 हजार महिलाओं की भागीदारी होगी जिसका रजिस्ट्रेशन 1 फरवरी से शुभारंभ किया जाएगा और कहा मंगल कलश यात्रा दिव्य एवं भव्य तरीके से निकाली जाएगी और यात्रा मार्ग को भगवामयी किया जाएगा जगह जगह पर स्वागत द्वार एवं स्वागत मंच लगाकर पूज्य कथा वाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत किया जाएगा और कहा कि यात्रा में रामायण सीरियल के राम बने सांसद अरुण गोविल सहित कई भजन गायक भी शामिल होंगे। समिति के महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने बताया कि मंगल कलश यात्रा को सफल बनाने के लिए महानगर के सभी सामाजिक धार्मिक व्यापारिक संगठनों को जोडा जाएगा। कार्यक्रम का संचालन राजेश केसरवानी ने किया।

इस अवसर धर्मेंद्र चौरसिया व्यापारी नेता सतीश चंद्र केसरवानी, दिनेश सिंह, रतन अग्रवाल, पार्षद नीरज गुप्ता, रुद्रसेन जायसवाल, सतीश केसरवानी, रोशनी अग्रवाल, शुभम अग्रहरि, मंजूषा सिंह अभिलाष केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल नीरज केसरवानी सुनील केसरवानी दीपक केसरवानी अजय अग्रहरि जूही सक्सेना सहित महानगर के प्रतिष्ठित जन एवं सैकड़ो समिति के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जॉन आगन्स्टीन ने माघ मेला का किया भ्रमण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। लखनऊ एवं मेट्रोपोलिटन ऑफ इण्डियाविशप जॉन आगन्स्टीन ने माघ मेला क्षेत्र का भ्रमण किया और माघ मेला स्थित श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव स्मृति संस्थान के कैम्प में जाकर संदीप यादव से मुलाकात की संदीप यादव के कैम्प में ही जन्मीगाय गंगा विशप को देखते ही उनके आगे-पीछे, घूमने लगी, गंगा को देखकर विशप जान आगस्टीनभावुक छोकर, ड्राइवर को भेजकर गंगा के लिए हरा चारा मँगाकर खिलाया, और गंगा माँ कीरेती पर गौ रक्षा का संकल्प लेते हुये गायों के रख-रखाव के लिए बड़ी गौशाला बनाने कासंकल्प लिया । गौशाला का जल्द ही निर्माणकार्य शुरू किया जायेगा। कैम्प से निकल करविशप जान आगस्टीन ने संगम दर्शन के साथ ही साथ मेला के विभिन्न दर्शनीय स्थलो का भ्रमण किया।

9 वर्षीय आयुष को मिली नई जिंदगी, एसआरएन अस्पताल में दुर्लभ सर्जरी सफल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल चिकित्सकों ने एक दुर्लभ और जटिल सर्जरी कर 9 वर्षीय बालक आयुष को नई जिंदगी दी है। आयुष पिछले एक वर्ष से चेहरे के बाएं हिस्से में सूजन और दर्द से पीड़ित था।

25 दिसंबर 2025 को उसे कैंसर सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया, जहां जांच में बाएं जबड़े (मैंडिबल) में एमेलोब्लास्टोमा नामक दुर्लभ ट्यूमर की पुष्टि हुई। यह बीमारी बच्चों में अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है।

29 दिसंबर को प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष एवं उप-प्राचार्य (वाइस प्रिंसिपल) डॉ मोहित जैन और कैंसर सर्जन डॉ.राजुल अभिषेक के नेतृत्व में लगभग आठ घंटे तक चली सर्जरी में बाएं जबड़े को निकालकर पैर की हड्डी (फिबुला) से जबड़े का सफल पुनर्निर्माण किया गया।

डॉ. राजुल अभिषेक ने बताया, 'यह सर्जरी बच्चों में विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होती है। हमारा उद्देश्य केवल ट्यूमर को पूरी तरह निकालना ही नहीं, बल्कि बच्चे के चेहरे की बनावट, चबाने और बोलने की क्षमता को भी सुरक्षित रखना था।'

माइक्रोवैस्कुलर तकनीक से की गई इस सर्जरी के बाद आयुष तेसे स्वस्थ हुआ और 6 जनवरी 2026 को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल प्रशासन ने सर्जिकल, एनेस्थीसिया, नर्सिंग एवं पुनर्वास टीम के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

क्या होता है एमेलोब्लास्टोमा?

एमेलोब्लास्टोमा जबड़े की हड्डी में होने वाला एक दुर्लभ ट्यूमर है, जो अधिकतर निचले जबड़े को प्रभावित करता है। यह धीरे-धीरे बढ़ता है, लेकिन समय पर इलाज न हो तो चेहरे की बनावट बिगाड़ सकता है और चबाने-बोलने में दिक्कत पैदा कर सकता है।

डॉ.राजुल अभिषेक ने सलाह देते हुए कहाकि चेहरे या शरीर के किसी भी हिस्से में बनी रहने वाली गांठ या सूजन की अनदेखी न करें, समय रहते जांच कराना बेहद जरूरी है।

भिवंडी में नाबालिग बच्चियों के अपहरण के तीन मामले दर्ज

कोनगांव, शांतीनगर और भिवंडी शहर थानों में केस, एक आरोपी नामजद

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर और आसपास के इलाकों में नाबालिग बच्चियों के अपहरण की तीन अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। कोनगांव पुलिस स्टेशन, शांतीनगर पुलिस स्टेशन और भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में अपहरण के मामलों में एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पहला मामला कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है। 42 वर्षीय महिला ने शिकायत में बताया कि 24 जनवरी को दोपहर करीब 1 बजे, पिंपलस गांव स्थित एक कंपनी से उसकी नाबालिग बेटी को अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया है।

दूसरा मामला शांतीनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है। 38 वर्षीय गृहिणी ने पुलिस को बताया कि 27 जनवरी की शाम करीब 5.15 बजे शांतिनगर के फंडोले नगर से उसकी नाबालिग बेटी को अज्ञात व्यक्ति बहकाकर ले गया। इस संबंध में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया है।

तीसरा मामला भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है। 35 वर्षीय महिला की शिकायत के अनुसार, आरोपी दिनेश चंद्रभूषण रस्तोगी ने 23 जून 2023 से 20 नवंबर 2025 के बीच अलग-अलग समय पर नाबालिग बच्ची को शादी का झांसा देकर और बहला-फुसलाकर लेकर फरार हो गया। इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीनों मामलों में पुलिस ने बच्चियों की तलाश तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी जांच के साथ-साथ आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

भिवंडी में बिजली चोरी का बड़ा मामला उजागर

अवैध केबल जोड़कर 3 लाख रुपये की बिजली चोरी

भिवंडी। शहर में बिजली चोरी का एक गंभीर मामला सामने आया है। शांतीनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के अनुसार, एक व्यक्ति द्वारा अवैध तरीके से बिजली लाइन से केबल जोड़कर बड़े पैमाने पर बिजली चोरी किए जाने का खुलासा हुआ है। इस मामले में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता कु.अवंती सुदेश नाचनकर (23),जो एक टोरेंट पॉवर कंपनी में एक्जीक्यूटिव पद कार्यरत हैं, ने बताया कि निरीक्षण के दौरान भिवंडी के मीराकल मॉल,परिसर सलाउद्दीन बिल्डिंग के पास घर नंबर 116 तल मंजिला में आरोपी द्वारा बिना अधिकृत मीटर के सीधे बिजली लाइन से कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग किया जा रहा था। आरोपी की पहचान मोमिन मोहम्मद शहेजाद मोहम्मद इरफान के रूप में हुई है, जो कोटरगेट इलाके का निवासी बताया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने सितंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच करीब 10195 यूनिट बिजली का अवैध उपयोग किया, जिससे बिजली कंपनी को लगभग 3 लाख 3 हजार 158 रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। शांतीनगर पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

महिला पर हमला और जान से मारने की धमकी

नारपोली थाने में मामला दर्ज, आरोपी फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के साठेनगर इलाके में एक महिला पर हमला कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में जतिन खंडू साठे नामक व्यक्ति के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता मनीष बालाजी रणदिवे (30), जो मजदूरी का काम करते हैं और साठेनगर स्थित पटेल किराना दुकान के पास रहते हैं, 26 जनवरी की सुबह करीब 10.30 बजे अपने घर के सामने मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी जतिन खंडू साठे वहां आया और किसी बात को लेकर शिकायतकर्ता से गाली-गलौज करने लगा।

शिकायत में बताया गया है कि जब मनीष रणदिवे ने आरोपी को ऐसा करने से मना किया तो आरोपी ने उसका रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने शिकायतकर्ता का कॉलर पकड़कर उसे धक्का दिया और हाथ में मौजूद छुरी से हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में चोट आई। इसके बाद आरोपी ने धारदार हथियार लहराते हुए मौके पर मौजूद लोगों की ओर इशारा करते हुए शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर आरोपी को वहां से भगा दिया। पीड़ित की शिकायत पर नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है और मामले की जांच जारी है।

शादी समारोह के दौरान 5 लाख के सोने के गहने चोरी

नारपोली थाने में महिला और उसके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी। शादी समारोह के दौरान घर में रखे सोने के गहनों की चोरी का मामला भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। आरोप है कि एक महिला और उसके बेटे ने आपसी संगनमत से अलमारी में रखे करीब 5 लाख रुपये कीमत के सोने के गहने चुरा लिए।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता जयेश सदाशिव म्हात्रे (40), निवासी काल्हेर, ने बताया कि 29 नवंबर 2025 को सुबह 11 से दोपहर 3 बजे के बीच अंजुर गांव में एक विवाह समारोह आयोजित किया गया था। इसी दौरान शिकायतकर्ता की रिश्तेदार गुलाब प्रल्हाद घरत की बेटी की शादी चल रही थी। शिकायत में बताया गया है कि आरोपी महिला अनिता आनंद मढ़वी और उसका बेटा विध्नेश आनंद मढ़वी, दोनों निवासी अंजुर, ने मौका देखकर घर की पहली मंजिल पर रखी अलमारी से शिकायतकर्ता की सहमति के बिना सोने के गहने निकाल लिए और फरार हो गए। चोरी किए गए गहनों की कुल कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई गई है। घटना की शिकायत 27 जनवरी को नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

उत्कृष्ट प्रशासक एवं दृढ़ नेतृत्व चला गया- वन मंत्री गणेश नाईक

मुंबई।अपनी दूरदर्शी और दृढ़ नेतृत्व क्षमता से राज्य की राजनीति में अलग पहचान बनाने वाले उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के आकस्मिक निधन की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। दादाओं के जाने से राज्य की राजनीति ने एक सशक्त व्यक्तित्व खो दिया है—इन शब्दों में वन मंत्री गणेश नाईक ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हुआ। उनके जाने से राजनीति में एक बड़ी शून्यता उत्पन्न हो गई है।

महाराष्ट्र को प्राप्त एक अनमोल रत्न के खो जाने की भावना नाईक ने व्यक्त की। अपने शोक संदेश में नाईक ने कहा कि अजितदादाओं के कार्य के प्रति समर्पण ने राज्य के विकास को एक अलग ऊँचाई पर पहुँचाया था। वे भले ही स्पष्टवक्ता थे, लेकिन कार्य की गुणवत्ता को लेकर अत्यंत गंभीर रहते थे। काम में लापरवाही उन्होंने कभी स्वीकार नहीं की। प्रशासनिक कार्यों पर मजबूत पकड़ और विकास की स्पष्ट दृष्टि रखने वाला जननेता आज हमारे बीच से चला गया है। उनके जाने से कभी न भरने वाली क्षति हुई है। दादाओं की आत्मा को चिरशांति मिले—ईश्वर के चरणों में यही प्रार्थना है। पवार परिवार के दुःख में हम सहभागी हैं। साथ ही इस दुर्घटना में जिनका भी निधन हुआ है, उनके परिवारजनों के दुःख में भी हम सहभागी हैं—इन शब्दों में मंत्री गणेश नाईक ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

'मेरा टिकट, मेरी शान - विकसित भारत के लिए मेरा योगदान' यात्री जागरूकता अभियान का DRM ने किया शुभारंभ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने, वैध टिकटिंग को प्रोत्साहित करने तथा रेल यात्रा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को सशक्त करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा जनजागरूकता अभियान 'मेरा टिकट, मेरी शान - विकसित भारत के लिए मेरा योगदान' शुरू किया गया। इस अभियान का उद्घाटन वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके द्वारा वडोदरा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में किया गया। यह अभियान 28 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

वडोदरा स्टेशन पर इस अभियान की शुरुआत करते हुए मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने यात्रिओं से आव्हान किया कि वे टिकट लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाएँ, और देश की प्रगति का हिस्सा बने और जिम्मेदार

नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करें। उन्होंने इस अवसर पर मीडिया को सम्बोधित करते हुए बताया कि भारत देश के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमारा कर्त्तव्य है कि हम जब भी यात्रा करें, टिकट लेकर यात्रा करें, टिकट लेना गर्व की बात है, हमारी शान है। आपके इस योगदान से न सिर्फ देश का विकास होता है बल्कि रेलतंत्र भी मजबूत होता है। रेलगाड़ियाँ मॉडर्न और सुरक्षित होती है और रेल नेटवर्क के साथ साथ रेल सुविधाओं ने उन्नयन और सुधार भी होता है।

मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने मीडिया को आगे बताया कि वडोदरा मंडल पर लगभग 1.4 लाख यात्री प्रतिदिन रेल से सफ़र करते है। मंडल पर यात्रियों में डिजिटल माध्यमों से अपना अनारक्षित टिकट बुक करने में पिछले वर्ष के मुकाबले 35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के डिजिटलाइजेशन के विज़न तथा 'डिजिटल इंडिया' पहल के प्रति यात्रियों के बढ़ते विश्वास और सहभागिता को दर्शाती है। इस कड़ी में आगे बढ़ते हुए भारतीय रेल का RailOne ऐप यात्रिओं के लिए सुविधाओं के बारे में ऑल इन वन मोबाइल ऐप है। इसके बारे में भी लोगों को इस अभियान के अंतर्गत जागरूक किया जाएगा। RailOne एक ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से यात्री आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, लाइव ट्रेन स्थिति, PNR जानकारी, भोजन सेवा तथा यात्री सहायता जैसी अनेक सेवाओं का एक ही स्थान पर लाभ उठा सकते हैं। वडोदरा के जनसम्पर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह अभियान 28 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। वडोदरा मंडल के अंतर्गत यह अभियान वडोदरा, आनंद, एकतानगर एवं भरुच स्टेशनों पर चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत स्टेशन तथा विभिन्न डिजिटल व जनसंचार माध्यमों द्वारा व्यापक जनसंपर्क गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी।

'रास्ते पर घर मत बनवाना, नहीं तो बुलडोजर चलवा दूंगा!'

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी की वेशभूषा में बच्चा बना वायरल स्टार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वेश-भूषा में मंच पर भाषण देता नन्हा बच्चा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि बच्चे ने मुख्यमंत्री की तरह गेरुआ वस्त्र पहने हुए कार्यक्रम के दौरान अपनी बात कही। इस दौरान बच्चे ने बुलडोजर मॉडल का जिक्र किया और कहा कि अगर सड़क पर घर बनवाया तो बुलडोजर चलवाऊंगा।

कार्यक्रम में अचानक माइक पर तेज आवाज गूंजी, 'नमस्कार, मैं योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बोल रहा हूं।' यह सुनकर मंच पर मौजूद लोग हैरान रह गए। इसके बाद बच्चे अश्वनी त्रिपाठी ने मंच पर आकर अपनी बात कही। उन्होंने कहाः 'रास्ते पर घर मत बनवाना, नहीं तो बुलडोजर चलवा दूंगा। जय श्रीराम, भारत माता की जय, वंदे मातरम।' सीएम योगी ने मंच पर जाकर बच्चे से पूछा कि वह किस क्लास में पढ़ता है। हंसते हुए उन्होंने कहा, 'तुमने मेरी तरह ड्रेस पहनी है।' बच्चे ने जवाब दिया, 'यह मेरी है।' इस पर मुख्यमंत्री ने उसे चॉकलेट भी दिया। अश्वनी त्रिपाठी, भगवती कॉलेज की अंग्रेजी शिक्षिका सीमा त्रिपाठी के पुत्र हैं।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने प्रदेश की पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले राज्य में भय, आतंक, उपद्रव और अराजकता का माहौल था। न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी। जनता जानती है कि इसके जिम्मेदार कौन लोग थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जाति राजनीति करती थीं और सिर्फ अपने परिवार का ध्यान रखती थीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब प्रदेश में स्थिति बदली है, विकास की राह खुली है और कोई भी भेदभाव नहीं होता।

यह कार्यक्रम गोरखपुर में आयोजित किया गया था। सीएम योगी ने खजांची चौराहा फ्लाईओवर और बरगदवा-नकहा रेल ओवरब्रिज का लोकार्पण किया। इस मौके पर सांसद रवि किशन भी मौजूद रहे।

पीसीएस अलंकार अग्निहोत्री हाउस अरेस्ट! एडीएम कंपाउंड 'मिनी जेल' में कन्वर्ट, बाहर पुलिस- पीएसी तैनात, अफसर बोले- जान खतरे में

लखनऊ **(एजेंसी)**। यूजीसी नियमों में बदलाव और प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई बदसलूकी के खिलाफ इस्तीफा देकर योगी सरकार को चुनौती देने वाले पीसीएस अफसर (निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट) अलंकार अग्निहोत्री को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। बरेली के एडीएम कंपाउंड स्थित उनके आवास को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। अलंकार ने आरोप लगाया है कि उन्हें उनके ही घर में 'कैदी' बना दिया गया है और उनकी जान को खतरा है।

अपने आवास के बंद गेट के पीछे से मीडिया से बात करते हुए अलंकार अग्निहोत्री ने बेहद गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'प्रशासनिक तंत्र के अंदर मौजूद कुछ सवर्ण और ब्राह्मण अधिकारियों ने मुझे अलर्ट किया है कि रात 3 बजे या उसके बाद मुझे किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया जा सकता है। मेरे फोन और मेरे समर्थकों के नंबर सर्विलांस पर लगा दिए गए हैं। यहां तक कि जैमर लगाकर मेरी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है।' अलंकार अग्निहोत्री ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका है। उन्होंने कहा, 'मुझे यहां मिनी जेल में रखा गया है। मेरा फ्रीडम ऑफ मूवमेंट (आर्टिकल 19) और राइट टू लाइफ (आर्टिकल 21) बाधित किया गया है। अगर मैं अनरिचेबल हो जाऊं, तो समझ लेना कि कुछ अनहोनी हो गई है। मैंने सुप्रीम कोर्ट के सीनियर लॉयर्स और हाई कोर्ट के जजों को एक्टिवेट कर दिया है, वे मेरी सुरक्षा पर नजर रखे हुए हैं। '

पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा द्वारा इसे 'सियासी साजिश' बताने पर अलंकार अग्निहोत्री ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैं उन पर कमेंट नहीं करना चाहता, लेकिन पूरा देश देख रहा है। वह बताएं कि ब्राह्मणों पर हुए अत्याचार पर उन्होंने कब आवाज उठाई? उनके वीडियो पर आ रहे कमेंट्स ही बता रहे हैं कि ब्राह्मण समाज उनके बारे में क्या सोचता है।' अग्निहोत्री ने सीधे तौर पर केंद्र सरकार और राष्ट्रपति से दखल की मांग की है। उनका तर्क है कि उत्तर प्रदेश में राज्यपाल से रिपोर्ट मंगवाकर तत्काल सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, सामान्य वर्ग अब मानसिक रूप से सरकार से अपना मोहभंग कर चुका है और संवैधानिक मर्यादाएं तार-तार हो रही हैं।

बुलंदशहर में दर्दनाक प्रसव कांड

झोलाछाप की लापरवाही से नवजात की मौत कमीशन के लालच ने उजाड़ी मां की गोद

लखनऊ **(एजेंसी)**। बुलंदशहर जिले में प्रसव के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक आशा कार्यकर्ता ने कमीशन के लालच में गर्भवती महिला को सरकारी अस्पताल ले जाने के बजाय एक निजी अनधिकृत दाई के पास भेज दिया, जहां प्रसव के दौरान जटिल स्थिति बन गई और नवजात की मौत हो गई। महिला की हालत भी बिगड़ गई। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना जहांगीराबाद क्षेत्र के गांव रूठा की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, प्रसव पीड़ा शुरू होने पर उन्होंने आशा कार्यकर्ता रूपवती से संपर्क किया। आरोप है कि उसने सरकारी अस्पताल के बजाय बेहतर इलाज का भरोसा देकर महिला को नई बस्ती में रहने वाली एक झोलाछाप दाई के पास पहुंचाया। प्रसव के दौरान स्थिति बिगड़ गई। परिवार का कहना है कि उचित चिकित्सा सुविधा और प्रशिक्षित स्टाफ न होने से गंभीर जटिलता पैदा हुई, जिससे नवजात की जान नहीं बचाई जा सकी और प्रसूता की हालत भी नाजुक हो गई।

परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि स्थिति बिगड़ने के बाद आशा कार्यकर्ता और दाई वहां से चले गए। ग्रामीणों के इकट्ठा होने पर मामला खुला। इसके बाद परिवार ने महिला को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर इलाज किया। महिला की स्थिति अब भी चिंताजनक बताई जा रही है। घटना से नाराज ग्रामीणों और परिजनों ने विरोध जताया। सीओ अनूपशहर विकास चौहान ने बताया कि आशा कार्यकर्ता और कथित दाई के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। वहीं यह मामला ग्रामीण इलाकों में अनधिकृत प्रसव केंद्रों और कमीशन के खेल पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्वास्थ्य विभाग की भूमिका और निगरानी व्यवस्था को लेकर भी जांच की मांग उठ रही है।

यूजीसी नए नियमों पर मचे बवाल के बीच

बागेश्वर महाराज ने भाजपा सरकार को दे दी नसीहत

छतरपुर **(एजेंसी)**। देश भर में यूजीसी के नए नियमों के बीच मचे विवाद के बीच बागेश्वर महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बड़ा बयान सामने आया है। पंडित कृष्ण शास्त्री ने बड़ी बात बोलते हुए कहा है कि सरकार हिंदुओं को बाँटे नहीं, हम सब हिंदू एक हैं.. कोई अगड़ा-पिछड़ा नहीं है। हिंदुओ को हिंदू ही रहने दिया जाए

देश में जारी यूजीसी विरोध के बीच, बागेश्वर धाम के महाराज पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हिंदू एकता पर जोर देते हुए कहा कि 'सरकार हिंदुओं को बाँटे नहीं, हम सब हिंदू एक हैं; कोई अगड़ा-पिछड़ा नहीं है।' उन्होंने सामाजिक विभाजन से बचने और सभी हिंदुओं को एकजुट रहने की बात कही। शास्त्री ने कहा कि भारत में असमानता नहीं होनी चाहिए, भारत में समानता होनी चाहिए। भारत सरकार से प्रार्थना है कि भारतीयों को बांटा नहीं जाए बल्कि जोड़ा जाए। हम सब हिंदू एक हैं

देश में यूजीसी के नए 2026 नियम को लेकर भेदभाव, समानता और उच्च शिक्षा में अधिकारों से जुड़े विवाद का माहौल बन चुका है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 'समानता' नियमावली जारी की है, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकना है, लेकिन इसके कुछ प्रावधानों पर छात्र और सामाजिक समूह विरोध कर रहे हैं और कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। साथ ही छात्रों ने लखनऊ यूनिवर्सिटी जैसे कई कैंपसों में नए नियमों के खिलाफ प्रदर्शन भी किए हैं, जिसमें कुछ समूहों ने कहा कि नियम सामान्य वर्ग (जनरल) के खिलाफ भेदभाव पैदा कर सकते हैं।

प्लेन क्रैश में अजित पवार के निधन पर मुख्यमंत्री योगी स्तब्ध, बोले- हृदय विदारक घटना

पूर्व सीएम अखिलेश यादव और मायावती ने भी जताया शोक

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब पवार (66) और अन्य लोगों को ले जा रहा विमान बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी एवं अन्य सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।' उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं शोकसंतप्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।'

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस घटना को 'बेहद दुखद' बताते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकसंतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि।'

बसपा प्रमुख मायावती ने अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक बताते हुए कहा कि विमान दुर्घटना में उनकी मौत 'बेहद दुखद' है। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक राकांपा नेता अजित पवार की आज बारामती में विमान हादसे में हुई मृत्यु अति-दुखद है। उनके परिवार तथा पार्टीजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। ईश्वर सभी को यह दुख सहन करने की शक्ति दे।'

टी20 विश्व कप पर अनिल कुंबले की भविष्यवाणी टीम इंडिया के पास इतिहास रचने का शानदार मौका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिग्गज क्रिकेटर और पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने कहा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम के पास 7 फरवरी से शुरू होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में घरेलू मैदान पर अपने खिताब का बचाव करने का शानदार मौका है। जियोहॉटस्टार के 'आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका 2026 के लिए टीम इंडिया की योजना' कार्यक्रम में बोलते हुए, जियोस्टार विशेषज्ञ कुंबले का मानना है कि भारत निश्चित रूप से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा और भारतीय टीम के पास अपने खिताब का बचाव करने और इतिहास रचने का बेहतरीन मौका है।

कुंबले ने कहा कि मुझे लगता है कि जब विश्व कप की बात आती है, तो लगातार दो खिताब जीतना आसान नहीं होता, खासकर टी20 प्रारूप में। कोई भी टीम अपने खिताब का बचाव करने में सक्षम नहीं रही है, जो भारत के लिए ऐसा करने का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि टीम जिस तरह की फॉर्म में है और खिलाड़ियों की मजबूती को देखते हुए, भारत किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत को निश्चित रूप से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना चाहिए, और उसके बाद, मुकाबला किसी के भी पक्ष में जा सकता है। उस दिन टीम का प्रदर्शन ही अंततः मायने रखेगा। लेकिन मुझे वास्तव में विश्वास है कि भारत के पास विश्व कप जीतने और लगातार दो खिताब जीतकर इसे वास्तव में यादगार बनाने का एक शानदार मौका है।

मौजूदा चैंपियन, टीम इंडिया, को ग्रुप ए में नामीबिया, नीदरलैंड, अमेरिका और कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ रखा गया है।

मेन इन ब्लू अपना पहला मैच 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ खेलेंगे, जिसके बाद उनका दूसरा मैच 12 फरवरी को होगा। भारत 15 फरवरी को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा, जिसके बाद उसका अंतिम ग्रुप स्टेज मैच नीदरलैंड्स के खिलाफ होगा। 2026 टी20 विश्व कप से पहले, भारत ने गुवाहाटी में एकतरफा जीत के साथ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इस जीत में अभिषेक शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक दर्ज किया। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद से कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला नहीं हारी है और वह 2026 संस्करण में शानदार फॉर्म में उतरेगी।

मोर्ने मोर्कल ने की जसप्रीत बुमराह की तारीफ बोले- वो फरारी जैसा, इंजन फिट तो सब हिट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने जसप्रीत बुमराह को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए उनकी तुलना फरारी से की है। विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से बात करते हुए मोर्कल ने कहा कि बुमराह से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए संवाद और सहजता बेहद महत्वपूर्ण हैं। बुमराह पर हर बार मैदान पर उतरने पर भारी उम्मीदों का बोझ रहता है।

मोर्ने मोर्कल ने कहा कि जसप्रीत दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं, बेहद कुशल हैं, लेकिन अंततः हर किसी को किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जिससे वह बात कर सकें, जिससे वह अपना मन हल्का कर सकें। हर बार जब वह मैदान पर उतरते हैं तो उन पर बहुत दबाव होता है, उनसे हमेशा बहुत उम्मीदें होती हैं कि वे अच्छा प्रदर्शन करें, जादुई गेंदबाजी करें और आखिरी ओवरों में हमें जीत दिलाएं। एक गेंदबाज हो या एक खिलाड़ी, कभी-कभी यह बोझ आप पर भारी पड़ सकता है।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मेरे लिए, क्रिकेट खेलते समय और अतीत में जिन महान खिलाड़ियों

के साथ मैं खेला हूँ, उन्हें जानने के बाद, मुझे यह अनुभव हुआ कि हम सभी को संवाद करने और प्रक्रियाओं पर चर्चा करने के लिए किसी की आवश्यकता होती है। मैं हमेशा बुमराह से बात करता रहता हूँ ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह सहज हैं या नहीं, और क्या वह हमारी योजनाओं से सहमत हैं। इसलिए, यह उनके लिए ज़रूरी है ताकि वह मानसिक रूप से तैयार रहें, क्योंकि हम जानते हैं कि वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और यह एक कार, एक फरारी की तरह है। अगर इंजन, तेल और बाकी सब कुछ ठीक से चल रहा है, तो कार अच्छा प्रदर्शन करेगी। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली है, जबकि दो मैच शेष हैं। टीम अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में जुटी है, जिसकी सह-मेजबानी भारत 7 फरवरी से करेगा। मोर्कल ने मैच की परिस्थितियों और विपक्षी टीम के अनुसार, पारी के विभिन्न चरणों में बुमराह के लचीले उपयोग के बारे में भी बात की। हम उस टीम के खिलाफ फैसला करेंगे जिसके खिलाफ हमें लगता है कि हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। जाहिर है, मैं पहले पावर प्ले में विकेट लेने का प्रबल समर्थक हूं, टीम को एक मजबूत संदेश देना हमेशा महत्वपूर्ण होता है।

मानसिक ब्रेक बना एलिना स्वितोलिना की ताकत, ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने के पीछे अपने मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक को सबसे बड़ी वजह बताया है। 31 वर्षीय स्वितोलिना का कहना है कि अगर उन्होंने पिछले साल खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा करने के लिए ब्रेक नहीं लिया होता, तो शायद वह मेलबर्न में खेलती ही नहीं।

स्वितोलिना ने क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ को महज़ 6-1, 6-2 से हराकर सभी को चौंका दिया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना गुरुवार को वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका से होगा, जहां फाइनल में जगह के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। पूर्व वर्ल्ड नंबर-3 रह चुकी स्वितोलिना ने बताया कि उन्होंने सितंबर 2025 में अपना सीजन जल्दी खत्म करने का फैसला किया था। यह निर्णय उन्होंने अपनी टीम, परिवार और पति गेल मोनफिल्स से बातचीत के बाद लिया। स्वितोलिना अब तक तीन बार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन फाइनल में जगह बनाना अभी भी उनका सपना बना हुआ है।

कोको गॉफ को हराने के बाद स्वितोलिना ने कहा, 'यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन इसमें कई सकारात्मक पहलू भी थे। अगर मैं लगातार खेलती रहती, तो शायद यहां तक पहुंच ही नहीं पाती। मैं पूरी तरह थकी हुई होती और यह भी तय नहीं था कि चोट से बच पाती या नहीं।' ब्रेक के बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटते हुए स्वितोलिना ने इस महीने ऑकलैंड में खिताब जीता और फिलहाल वह लगातार 10 मैच जीत चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि शीर्ष स्तर पर खेलते समय जब खिलाड़ी खुद को लगातार सीमा तक धकेलता है, तभी चोटों का खतरा सबसे ज्यादा बढ़ जाता है। मेलबर्न में 12वीं वरीयता प्राप्त स्वितोलिना ने कहा, 'जब तनाव बहुत ज्यादा हो जाता है, तो शरीर जवाब देना बंद कर देता है। मेरे लिए जरूरी था कि मैं एक कदम पीछे हटूं। मैं खुश हूं कि मैंने ऐसा किया।'

टी20 विश्व कप से पहले तीन मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम

लाहौर **(एजेंसी)**। मिचेल मार्श की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया की टीम बुधवार को लाहौर पहुंच गई, जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला ऐसे समय में आयोजित की जाएगी जब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस श्रृंखला को पाकिस्तान के टी20 विश्व कप की तैयारी के अंतिम चरण के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या राष्ट्रीय टीम को भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सरकार की मंजूरी मिलेगी या नहीं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ बैठक के बाद कहा था कि सभी विकल्प खुले हैं और फैसला शुक्रवार या अगले सोमवार तक लिया जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर भारत में टी20 विश्व कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर दिया था जिसका पाकिस्तान विरोध कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम पैट कमिंस समेत अपने कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के बिना लाहौर पहुंची है। विश्व कप से पहले चोटों से उबरने के लिए कमिंस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड और नाथन एलिस को पाकिस्तान दौरे से बाहर रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2022 के बाद पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रही है।

टी20 विश्व कप से पहले राहुल द्रविड़की चेतावनी 'एक खराब दिन' 2023 फाइनल जैसा दर्द दे सकता है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 विश्व कप से पहले राहुल द्रविड़ का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में एक नए और खास अंदाज में टी20 क्रिकेट खेल रही है। उन्होंने दावा किया कि इस तरह का क्रिकेट पहले कभी नहीं देखा गया। भारत पिछले तीन वर्षों में कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज नहीं हारा है। उनकी आखिरी सीरीज हार अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई थी। टी20 विश्व कप 2026 नजदीक आ रहा है, और भारत यह टूर्नामेंट अपने घरेलू मैदान पर खेलेगा और मौजूदा चैंपियन भी होगा। इससे भारत को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, राहुल द्रविड़ ने टीम को शानदार फॉर्म के बावजूद सतर्क रहने की चेतावनी दी है। पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा कि भारत टी20 विश्व कप 2026 में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा, साथ ही उन्होंने एक खराब दिन के खतरे के प्रति आगाह भी किया। एक पुस्तक विमोचन समारोह में बोलते हुए, द्रविड़ ने वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में भारत की दिल दहला देने वाली हार का जिक्र किया, जब वे राष्ट्रीय टीम के कोच थे। भारत मौजूदा चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहा है। कोई भी टीम लगातार दो बार टी20 विश्व कप नहीं जीत पाई है, इस सिलसिले को सूर्यकुमार यादव की टीम तोड़ने की कोशिश करेगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी भारत शानदार फॉर्म में है और बारबाडोस में ट्रॉफी जीतने के बाद से उसने अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है।

द्रविड़ को 19 नवंबर, 2023 की वो दर्दनाक हार आज भी याद है, जब भारत वनडे विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था। उन्होंने कहा कि भले ही कोई टीम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेले, एक खराब मैच सब कुछ बर्बाद कर सकता है। ये अनुभव आज भी उनके मन में बसा हुआ है। द्रविड़ 2023 विश्व कप के बाद कोच पद से हटना चाहते थे, लेकिन रोहित शर्मा के अनुरोध पर उन्होंने छह महीने और कोच के रूप में काम जारी रखा। उन्होंने अपने कोचिंग करियर का अंत सकारात्मक तरीके से किया, लेकिन विश्व कप के फाइनल में मिली हार आज भी उन्हें क्रिकेट की अनिश्चितताओं की याद दिलाती है।

टेक्सास ने विश्वविद्यालयों और एजेंसियों में एच-1बी वीजा पर लगाई रोक

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका में टेक्सास प्रांत के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने सरकारी एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को नए एच-1बी वीजा आवेदनों को तुरंत रोकने का आदेश दिया है। गवर्नर ग्रेग एबॉट के इस आदेश के मुताबिक करदाताओं के पैसे से वित्त पोषित संस्थानों में भर्ती नियमों को सख्त किया गया है। इस कदम से भारतीय पेशेवरों के प्रभावित होने की संभावना है। एच-1बी वीजा आवेदनों पर यह रोक मई 2027 तक लागू रहेगी। मंगलवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि टेक्सास की एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को टेक्सास वर्कफोर्स कमीशन से लिखित मंजूरी प्राप्त किए बिना एच-1बी वीजा की नयी याचिकाएं दाखिल करना बंद कर देना चाहिए।

अमेरिका के टेक्सास प्रांत में हजारों की संख्या में ऐसे लोग रहते हैं, जिनके पास एच-1बी वीजा है। गर्वनर का यह आदेश ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने वीजा कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए कदम उठाना शुरू कर दिया है। एबॉट ने कहा, " मैं प्रांत की सभी एजेंसियों को इस पत्र के अनुसार नए एच-1बी वीजा आवेदनों को तत्काल रोकने का निर्देश दे रहा हूं। संघीय सरकार द्वारा इस कार्यक्रम की समीक्षा के बीच यह कदम उठाया गया है।" पत्र में कहा गया है कि संस्थानों को एच-1बी वीजा के इस्तेमाल के बारे में भी रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें संख्या, नौकरी की भूमिकाएं, मूल देश और वीजा की समाप्ति तिथियां शामिल हैं।

टी20 विश्व कप से पहले टीम इंडिया का दबदबा आईसीसी रैंकिंग में छाए अभिषेक, सूर्या और बुमराह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में अपने खिताब की रक्षा करने से पहले भारत के श्वेत-गेंद क्रिकेट दल को एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद कई शीर्ष खिलाड़ियों ने नवीनतम आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है। टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में अपना दबदबा बनाए हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में लगातार दो अर्धशतक लगाकर उन्होंने रैंकिंग में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की रेटिंग अब 929 अंक है, जो पिछले साल एशिया कप के दौरान हासिल किए गए उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 931 अंकों से सिर्फ दो अंक कम है। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे स्थान पर हैं और उनसे 80 अंक आगे हैं। भारत के तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं, जो इस प्रारूप में देश के दबदबे को रेखांकित करता है। पूर्व विश्व नंबर 1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने भी रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर गुवाहाटी में खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नाबाद 57 रन बनाने के बाद सातवां स्थान हासिल किया है। स्टाइलिश दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हाल के टूर्नामेंटों में शानदार फॉर्म दिखाया है और वैश्विक टूर्नामेंट से पहले भारत की बल्लेबाजी पंक्ति को मजबूती और ताकत प्रदान की है, जो अब बस कुछ ही दिनों में शुरू होने वाला है।

भारत के गेंदबाजों और ऑलराउंडरों ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में तीन विकेट लेने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती श्रृंखला के पहले दो मैचों में तीन-तीन विकेट लेकर टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों में नंबर 1 स्थान पर बने हुए हैं। ऑलराउंडरों की सूची में हार्दिक पांड्या एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि शिवम दुबे ने छह पायदान की बड़ी छलांग लगाते हुए 11वें स्थान पर जगह बनाई, जो दोनों ही विभागों में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा शीर्ष क्रम के टी20आई ऑलराउंडर बने हुए हैं।

जहां भारतीय खिलाड़ियों ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं दुनिया भर में टी20आई और वनडे मैचों के बाद टीमों में भी बदलाव देखने को मिले। टी20आई में, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्कराम, वेस्टइंडीज के ब्रैंडन किंग और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने बल्लेबाजों में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की, जबकि अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान गेंदबाजों में शीर्ष 10 में शामिल हो गए।

सेंसेक्स में भारत-ईयू एफटीए को लेकर आशावाद से शुरुआती कारोबार में 646 अंक का उछाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बनी उम्मीदों से सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 646.49 अंक चढ़कर 82, 503.97 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 196.7 अंक की बढ़त के साथ 25, 372.10 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर फायदे में रहे। हालांकि, एशियन पेंट्स के शेयर में करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई। मारुति, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का एसएसई कम्पोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे जबकि जापान का निक्की 225 नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.92 डॉलर प्रति बैरल रहा।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा क्र.: **सोला/क.वि./नि/2025/29R1; कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के अनवायर्ड पिट लाइन/साइडिंग का विद्युतीकरण का कार्य। (पुनर्निविदा); **अनुमानित लागत:** रु. 1,53,83,701.79 **बयाना राशि:** रु. 2,26,900/- **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 माह **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 20.02.2026 को 15:00 बजे।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(टीआरडी), मध्य रेलवे, सोलापुर
DE/Sur-01

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
फायर अलार्म प्रणाली

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है:– **निविदा सूचना संख्या: सोला–एन–टी–2025–26–42 दिनांक 27.01.2026. इलाके के साथ काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों और लेवल क्रॉसिंग गेटों पर आरडीएसओ प्रकार की फायर अलार्म प्रणाली और एस्पिरेशन प्रकार की फायर अलार्म प्रणाली की व्यवस्था करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 2,93,26,646.58 **टेंडर फॉर्म की कीमत:** Nil **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** रु. 2,96,600/- **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने; **निविदा के समापन की तिथि और समय:** 20.02.2026 After 15:30 hrs. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई–प्रोक्योरमें वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई–मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (इएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात् बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

मंडल रेल प्रबंधक/एस एंड टी, शाखा मध्य रेलवे, सोलापुर
DE/Sur-03

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

हॉलीवुड साइन पर चढ़कर स्वीनी ने टांगी 'ब्रा', नए ब्रांड के प्रोमो के लिए किया खतरनाक स्टंट, अब कानूनी शिकंजे में एक्ट्रेस!

हॉलीवुड की उभरती हुई सनसनी सिडनी स्वीनी एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। अपने आने वाले लॉन्जरी ब्रांड के प्रचार के लिए उन्होंने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित लैंडमार्क 'हॉलीवुड साइन' का सहारा लिया, लेकिन यह 'नटखट' प्रमोशनल स्टंट उन्हें भारी पड़ सकता है। सिडनी स्वीनी को देर रात आइकॉनिक हॉलीवुड साइन पर चढ़ते हुए देखा गया, उन्होंने काले कार्गो पैंट, हुडी और कैप पहनी हुई थी। स्ट्रक्चर के ऊपर पहुंचने के बाद, उन्होंने कैलिफ़ोर्निया के इस लैंडमार्क को सजाने के लिए मशहूर अक्षरों पर ब्रा की एक रस्सी टांग दी, जबकि इस स्टंट को फिल्माया जा रहा था। यह वीडियो टीएमजेड ने शेयर किया था। एक्ट्रेस सिडनी स्वीनी पर हॉलीवुड साइन पर चढ़ने और अपने आने वाले लॉन्जरी ब्रांड को प्रमोट करने के लिए उस पर ब्रा लटकाने के बाद तोड़फोड़ या अतिक्रमण के आरोप लग सकते हैं। टीएमजेड के अनुसार, स्वीनी और उनकी टीम ने हॉलीवुड साइन के पास शूटिंग के लिए फिल्म एलए से परमिट लिया था। लेकिन परमिट में किसी को भी लैंडमार्क पर चढ़ने या उसे छूने की इजाज़त नहीं थी। हॉलीवुड साइन एक संरक्षित लैंडमार्क है और बिना इजाज़त के संपर्क से अतिक्रमण या तोड़फोड़ से जुड़े छोटे-मोटे अपराधों के

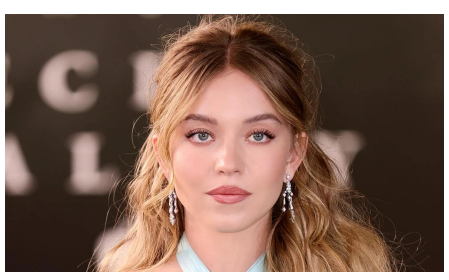

आरोप लग सकते हैं। टीएमजेड ने बताया कि स्वीनी पर ऐसे आरोप लग सकते हैं, हालांकि अभी तक कोई आरोप दायर नहीं किया गया है। लॉस एंजिल्स पुलिस डिपार्टमेंट ने फॉक्स न्यूज़ डिजिटल को बताया कि फिलहाल कोई जांच नहीं चल रही है। डिपार्टमेंट के एक प्रतिनिधि ने आउटलेट को बताया, 'कोई अपराध नहीं किया गया है।'

यह स्टंट स्वीनी की लॉन्जरी लाइन के लॉन्च से जुड़ा था, एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसे वह एक साल से ज़्यादा समय से डेवलप कर रही हैं। इस ब्रांड को जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज़ से जुड़े निवेशकों सहित हाई-प्रोफाइल लोगों का समर्थन मिला है। स्वीनी को पहले भी अपने विज्ञापन विकल्पों को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हाल ही में उन्हें एक जींस के विज्ञापन के लिए ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसे कुछ दर्शकों ने असंवेदनशील बताया और उन पर नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ट्रुथ सोशल पर विज्ञापन की तारीफ करने के बाद यह बहस और तेज़ हो गई। जीक्यू के साथ एक बाद के इंटरव्यू में, स्वीनी ने कहा कि प्रतिक्रिया ने उन्हें हैरान किया लेकिन उन्हें हिला नहीं पाया। स्वीनी ने कहा 'मैंने एक जींस का विज्ञापन किया।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडलीय रेलवे प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008
कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी सूची संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-PnU-25-16	13-02-26 13:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि एवं समय
1	PnU-BCT-MMCT-WRL-80-25-1 (Pay and Use-Lounges/Waiting/ Retiring/Cloak Rooms)	मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) स्टेशन पर रिटायरिंग रूम/डॉर्मिटरी के नवीनीकरण, संचालन एवं अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी	1826	13-02-26 13:30:00

नीलामी सूची संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-51	13-02-26 14:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि एवं समय
1	MSS-BCT-PLG-PrKiosk-53-25-1 (Misc-Static-Services Promotional Kiosk)	पालघर (पीएलजी) एवं बोईसर (बीओआर) स्टेशनों पर प्रमोशनल कियोस्क / उत्पाद प्रदर्शन के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अनुबंध हेतु तीन वर्ष की अवधि के लिए ई-नीलामी	1096	13-02-26 14:30:00
2	MSS-BCT-DDR-STGen-96-26-1 (Misc-Static-Services - Static General)	दादर स्टेशन पर स्थित (पार्सल यातायात हेतु) वेयरहाउसिंग सुविधा का विकास, संचालन एवं प्रबंधन, जो प्लेटफॉर्म संख्या 05 की सीमा दीवार के समीप पे-एंड-यूज़ से प्रवेश संख्या 12 तक स्थित है।	1096	13-02-26 14:40:00
3	MSS-BCT-BDTS-STGen-91-25-1 (Misc-Static-Services - Static General)	बांद्रा टर्मिनस पर स्थित (पार्सल यातायात हेतु) वेयरहाउसिंग सुविधा का विकास, संचालन एवं प्रबंधन, जो प्लेटफॉर्म संख्या 01 के उत्तरी छोर और कोच केयर सेंटर की सीमा दीवार के बीच स्थित है।	1096	13-02-26 14:50:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर: 02267644212 ई-मेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com **नोट:** इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण वहाँ उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध है। 1056

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ बयानबाजी का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने स्टालिन सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। धार्मिक परंपरा, कानून और न्यायपालिका की मर्यादा से जुड़े एक संवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी आर स्वामीनाथन के खिलाफ कथित अपमानजनक बयानों और प्रदर्शनों को लेकर तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा है। यह मामला कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति से जुड़ा हुआ है।

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने तमिलनाडु सरकार, राज्य के डीजीपी, चेन्नई पुलिस कमिश्नर और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। अब मामले में अगली सुनवाई 2 फरवरी को होगी।

अब समझिए क्या है पूरा मामला?

यह याचिका वकील जीएस मणि ने दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सत्तारूढ़ डीएमके समर्थित दलों, कुछ कम्युनिस्ट पार्टियों, कुछ व्यक्तियों और वकीलों ने मिलकर अवैध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन न सिर्फ सार्वजनिक जगहों पर हुए, बल्कि मद्रास हाईकोर्ट के परिसर में भी किए गए।

याचिका के अनुसार, इन प्रदर्शनों के

दौरान जस्टिस स्वामीनाथन के खिलाफ जाति और धर्म के आधार पर अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां की गईं। आरोप है कि इसका मकसद समाज में तनाव फैलाना और कानून-व्यवस्था तथा सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना था।

याचिका में क्या मांग की गई?

याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि तमिलनाडु सरकार और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया जाए कि वे ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करें। इसमें आपराधिक मुकदमे दर्ज करने की भी मांग की गई है।

अब समझिए पूरा मामला

बता दें कि यह विवाद जस्टिस स्वामीनाथन के एक आदेश के बाद शुरू हुआ। एक दिसंबर 2025 को उन्होंने एक आदेश में कहा था कि मदुरै के थिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित 'दीपथून' नामक पत्थर के दीप स्तंभ पर कार्तिगई दीपम का तेल का दीया जलाने की अनुमति दी जाए। यह जगह एक दरगाह के पास है। अपने आदेश में जज ने साफ कहा था कि दीप जलाने से दरगाह की संरचना पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि दरगाह उस स्थान से करीब 50 मीटर दूर स्थित है।

दूसरा आदेश और विवाद बढ़ा

जब इस आदेश को लागू नहीं किया गया, तो 3 दिसंबर 2025 को जस्टिस स्वामीनाथन ने एक और आदेश दिया। इसमें उन्होंने भक्तों को खुद दीप जलाने की अनुमति दी और सीआईएसएफ को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। ऐसे में अब सुप्रीम कोर्ट पूरे मामले में राज्य सरकार से जवाब का इंतजार कर रहा है। कोर्ट यह देखेगा कि जज के खिलाफ की गई बयानबाजी और प्रदर्शन कानून के दायरे में आते हैं या नहीं, और क्या दोषियों पर कार्रवाई हुई है या नहीं।

माघ मेला स्थित आरोग्य भारती शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

प्रयागराज। आरोग्य भारती के माघ मेला स्थित शिविर में दिनांक 28 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक एक निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें आयुर्वेद के अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध चिकित्सक एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर ने --रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं चिकित्सा परामर्श प्रदान किया ।अधिकांश रोगी गठिया से पीड़ित मिले । रोगियों को प्रवेक कल्प एवं झंडु के सौजन्य से निःशुल्क औषधियाँ भी प्रदान कीं गईं । शिविर में डॉ तोमर ने आरोग्य भारती के विविध प्रकल्पों की जानकारी भी उपस्थित लोगों के साथ साझा की । आरोग्य भारती काशी प्रांत के संगठन सचिव डॉ अजय मिश्रा ने धन्वन्तरि वन्दना एवं दीप प्रज्वलन करा के शिविर का प्रारंभ कराया । प्रयागराज महानगर के सचिव श्री बृजेन्द्र श्रीवास्तव ने आरोग्य भारती का परिपत्र उपस्थित श्रद्धालुओं एवं रोगियों को वितरित किया । शिविर में राजेन्द्र कुमार सिंह, अंकुर सिंह, मनीष शुक्ला ने सहयोग प्रदान किया ।

एक ऐतिहासिक यात्रा का समापन यूरोपीय अध्यक्ष भारत से रवाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत की अपनी ऐतिहासिक तीन दिवसीय राजकीय यात्रा का समापन किया। इस यात्रा के परिणामस्वरूप भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से 13 महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनमें भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी के तहत एक रक्षा समझौता शामिल है। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि कोस्टा बुधवार को यात्रा के बाद रवाना हो गए, जबकि वॉन डेर लेयेन कल रवाना हुईं। विदेश मंत्रालय ने इस यात्रा को अत्यंत सफल बताते हुए दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से हुए 13 महत्वपूर्ण समझौतों' का उल्लेख किया।

कि एक ऐतिहासिक यात्रा संपन्न हुई। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा एक बेहद सफल यात्रा के बाद रवाना हो गए। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन कल शाम रवाना हुईं। इस यात्रा के परिणामस्वरूप 13 महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकले हैं जो भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी की गहराई और व्यापकता को बढ़ाएंगे। मंत्रालय ने आगे कहा कि इन निष्कर्षों से भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए यूरोपीय बाज़ार तक पहुंच बढ़ेगी। इसमें आगे कहा गया, 'ये निष्कर्ष हमारी वस्तुओं और सेवाओं के लिए बाज़ार तक पहुंच बढ़ाएंगे, अधिक रोज़गार और अवसर पैदा करेंगे और हमारे लोगों की प्रगति में सहयोग देंगे। भारत और यूरोपीय संघ ने एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए अपनी बातचीत पूरी करके एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे 'सभी समझौतों की जननी' कहा जा रहा है।

यह समझौता भारत की सबसे रणनीतिक आर्थिक साझेदारियों में से एक है, जिसे एक आधुनिक, नियम-आधारित व्यापार साझेदारी के रूप में तैयार किया गया है।

जो समकालीन वैश्विक चुनौतियों का समाधान करते हुए दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच गहन बाज़ार एकीकरण को सक्षम बनाता है। दोनों पक्षों ने एक ऐतिहासिक सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो दोनों पक्षों के बीच पहला व्यापक रक्षा एवं सुरक्षा ढांचा है। दोनों गुटों के नेताओं ने रणनीतिक, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। इस समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जापान और दक्षिण कोरिया के बाद यूरोपीय संघ के साथ ऐसा समझौता करने वाला तीसरा एशियाई देश बन गया है। इनके अलावा, यूरोपीय राष्ट्रपतियों की राजकीय यात्रा के दौरान व्यापार, सुरक्षा, रक्षा, आवागमन, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों को कवर करते हुए 13 समझौते और व्यवस्थाएं संपन्न हुईं।

कंगना रनौत ने विक्टोरिया बेकहम को बताया 'रियल क्वीन' बेकहम परिवार के 'सास-बहू' विवाद में लिया 'टीम वीबी' का पक्ष

बॉलीवुड की 'क्वीन' और सांसद कंगना रनौत अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जानी जाती हैं। इस बार उन्होंने सात समंदर पार चल रहे हॉलीवुड के सबसे चर्चित पारिवारिक विवाद- बेकहम परिवार के 'सास-बहू ड्रामे'- में अपनी एंट्री की है। कंगना ने मशहूर फैशन डिजाइनर और पूर्व स्पाइस गर्ल विक्टोरिया बेकहम का खुलकर समर्थन किया है। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर 2007 के रियलिटी टीवी स्पेशल विक्टोरिया बेकहमः कमिंग टू अमेरिका का एक क्लिप शेयर किया। वीडियो में विक्टोरिया बेकहम को अपने ड्राइविंग लाइसेंस की तस्वीर को एक प्रोफेशनल फोटोशूट की तरह लेते हुए दिखाया गया है। फुटेज में, डीएमवी के स्टाफ को उन्हें यह याद दिलाते हुए सुना जा सकता है कि वे उनकी फोटो को 'रीटच' नहीं कर सकते।

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर विक्टोरिया बेकहम के 2007 के एक पुराने रियलिटी शो का वीडियो साझा किया, जिसमें विक्टोरिया ड्राइविंग लाइसेंस के लिए फोटो खिंचवाने को

भी एक 'प्रोफेशनल फोटोशूट' की तरह देख रही हैं। इस वीडियो के साथ कंगना ने लिखाः 'विक्टोरियाबेकहम अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रही हैं (हंसने वाली इमोजी)... देखो, कोई भी सास-बहू ड्रामा मुझे विक्टोरिया से नफरत नहीं करवा सकता। वह बहुत शानदार हैं। जो इंसान ड्राइविंग लाइसेंस की फोटो को भी फोटोशूट समझ सकता है, वह असल में 'रियल क्वीन' है। 'टीम वीबी'

ब्रुकलिन बेकहम ने इंस्टाग्राम पर एक बयान शेयर किया जिसमें उन्होंने अपने माता-पिता के साथ अपनी समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि उनकी माँ ने निकोला के साथ प्लान किए गए पहले डांस को 'हाईजैक' कर लिया था। ब्रुकलिन के अनुसार, सिंगर मार्क एंथनी ने उन्हें लगभग 500 मेहमानों के सामने स्टेज पर बुलाया, जहाँ उनकी माँ डांस करने के लिए इंतज़ार कर रही थीं। उन्होंने लिखा, 'उन्होंने सबके सामने मेरे साथ बहुत ही गलत तरीके से डांस किया, ' और कहा कि उन्होंने अपनी ज़िंदगी में 'इतना असहज या अपमानित' कभी महसूस नहीं किया। ब्रुकलिन के बयान से परिवार पर लोगों की नज़रें और ज़्यादा बढ़ गई हैं, जिससे ऑनलाइन मीम्स और चुटकुलों की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया यूज़र्स ने एडिटेड क्लिप्स और मज़ेदार रिएक्शन पोस्ट किए हैं, जिसमें यह कल्पना की गई है कि विक्टोरिया का डांस कैसा रहा होगा, और कई कमेंट्स में बेकहम परिवार के अंदर साफ दिख रहे तनाव की ओर इशारा किया गया है।

परिवार की तरफ से अभी तक कोई एक जैसा जवाब नहीं आया है। हालांकि, दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल के बारे में अलग से बात करते हुए, डेविड बेकहम ने एक आम बात कहीः 'बच्चे गलतियाँ करते हैं।' डेविड ने आगे कहा, 'वे गलतियाँ करते हैं। बच्चों को गलतियाँ करने की इजाज़त होती है - इसी तरह वे सीखते हैं। यही मैं अपने बच्चों को सिखाने की कोशिश करता हूँ। लेकिन कभी-कभी आपको उन्हें वे गलतियाँ करने भी देनी पड़ती हैं।'

ताइवान के पास फिर चीनी सेना की घेराबंदी पीएलए के विमान-जहाज और गुब्बारे से बढ़ा तनाव

ताइपे **(एजेंसी)**। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने सुबह 6 बजे (यूटीसी:8) तक अपने क्षेत्र के आसपास चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के चार विमानों और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) के पांच जहाजों का पता लगाया है। उसने यह भी बताया कि इस दौरान एक गुब्बारा भी देखा गया। एक पोस्ट में इससे पहले मंगलवार को, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि उसने अपने क्षेत्र के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के पांच जहाजों का पता लगाया है। रक्षा मंत्रालय ने अपनी पोस्ट में कहा कि आज सुबह 6 बजे (यूटीसी:8) तक ताइवान के आसपास पीएलए के 2 विमान, पीएलएएन के 5 जहाज और 1 सरकारी जहाज देखे गए। हमने स्थिति पर नजर रखी और कार्रवाई की। इस बीच, ताइवान के नियंत्रण वाले द्वीपों के पास एक चीनी सैन्य ड्रोन की घुसपैठ ने दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते दबाव अभियान को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। ताइवान ने चेतावनी दी है कि इस तरह की कार्रवाइयां

क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक चीनी निगरानी ड्रोन तड़के ताइवान के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में घुस गया और डोंगशा के नाम से भी जाने जाने वाले प्रतास द्वीप समूह की ओर बढ़ गया। ताइपे टाइम्स के अनुसार, मंत्रालय ने बताया कि विमान भोर से कुछ ही समय पहले द्वीपों के पास पहुंचा और कुछ समय के लिए स्थानीय हवाई रक्षा प्रणालियों की प्रभावी पहुंच से परे ऊंचाई पर क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया। द्वीपों पर तैनात सैन्य छावनी को तुरंत सतर्कता स्तर बढ़ाने और हवाई निगरानी तेज करने का निर्देश दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय रेडियो फ्रीक्वेंसी के माध्यम से बार-बार चेतावनी प्रसारित करने के बाद, ड्रोन कुछ मिनटों बाद वापस लौट गया। मंत्रालय ने इस गतिविधि की निंदा करते हुए इसे लापरवाह और उकसाने वाला बताया और कहा कि इसने अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन किया है और क्षेत्र को और अधिक अस्थिर किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ताइवान चीन का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है, जो 1949 से मुख्य भूमि से अलग है। अपनी 'एक देश, दो प्रणाली' नीति के तहत, चीन का पूर्ण एकीकरण देश और विदेश में रहने वाले सभी चीनी लोगों की साझा आकांक्षा है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और चीनी सरकार शांतिपूर्ण एकीकरण के इस लक्ष्य की पूर्ति को एक ऐतिहासिक मिशन मानती है और इसके लिए लगातार प्रयासरत है।

डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी; नूरी अल-मलिकी सत्ता में आए तो अमेरिका इराक का समर्थन नहीं करेगा

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को इराक को आगाह किया कि अगर उसके पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मलिकी फिर से सत्ता में आते हैं, तो अमेरिका देश का समर्थन नहीं करेगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कुछ दिन पहले 'कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क' नाम के प्रमुख राजनीतिक गठबंधन ने नूरी अल-मलिकी का समर्थन करने की घोषणा की थी। इस गठबंधन में प्रमुख शिया दल भी शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन नूरी अल-मलिकी को ईरान का करीबी मानता है।

ट्रंप ने अल-मलिकी का विरोध करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, ''जब पिछली बार मलिकी सत्ता में थे, तब देश गरीबी और पूरी तरह अराजकता में चला गया था। ऐसा दोबारा नहीं होने दिया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''उनकी गलत नीतियों और विचारधाराओं के कारण अगर वे चुने जाते हैं, तो अमेरिका इराक की मदद नहीं करेगा और अगर अमेरिका मदद के लिए वहां नहीं होगा, तो इराक के पास सफलता, समृद्धि या आजादी की कोई संभावना नहीं होगी।''

पश्चिम एशिया में स्थिति लगातार तनावपूर्ण होती जा रही है और ट्रंप ईरान पर नए हमले करने पर विचार कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा 2003 में सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाए जाने के बाद से ईरान इराक की सरकार में गहरा प्रभाव बनाए हुए है।

मणिपुर में पीड़ितों को मिलती रहेगी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीश पैनल का कार्यकाल दो साल बढ़ाया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मणिपुर में राहत और पुनर्वास उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की उच्च-स्तरीय समिति का कार्यकाल 31 जुलाई, 2026 तक बढ़ा दिया, जहां मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि मामले के तथ्यों को देखते हुए समिति का निरंतरता आवश्यक है और उससे निर्धारित अवधि के भीतर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का आग्रह किया। वरिष्ठ अधिवक्ता विभा दत्ता मखीजा द्वारा समिति की ओर से पेश होने पर अदालत को सूचित किया गया कि समिति ने अभी तक अपना निर्धारित कार्य पूरा नहीं किया है, जिसके बाद समय सीमा में विस्तार दिया गया। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरामानी भी उपस्थित थे।

अदालत को बताया गया कि समिति अब तक 32 रिपोर्टें प्रस्तुत कर चुकी है, कई और रिपोर्टें प्रक्रियाधीन हैं, और जुलाई 2025 के बाद से इसे कोई विस्तार नहीं दिया गया है। इस बात पर ध्यान देते हुए, पीठ ने टिप्पणी की हमारा मानना है कि समिति का कार्य जारी रखना आवश्यक है और इसे 31 जुलाई, 2026 तक का अतिरिक्त समय दिया जाता है। हम समिति से अनुरोध करते हैं कि वह निर्धारित अवधि के भीतर अपनी जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करे। जनजातीय कुकी समुदाय और प्रभावशाली मैतेई समुदाय के बीच बड़े पैमाने पर हुई जातीय हिंसा के बाद मणिपुर में मानवीय सहायता और पुनर्वास प्रयासों की निगरानी के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अगस्त 2023 में एक समिति का गठन किया गया था। इस पूर्णतः महिला समिति में तीन पूर्व उच्च न्यायालय न्यायाधीश शामिल हैं - जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल; बॉम्बे उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिनी पी जोशी; और दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशा मेनन।

यूक्रेन ट्रेन हमले पर भड़के जेलेंस्की, कहा- रूस को सज़ा दिलाने के लिए दुनिया एक हो

कीव **(एजेंसी)**। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने बुधवार को यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में एक यात्री ट्रेन पर रूसी ड्रोन हमले की निंदा करते हुए इसे आतंकवाद का कृत्य बताया और कहा कि इस हमले में चार नागरिकों की मौत हुई है। एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस हमले को वैश्विक स्तर पर निर्विवाद रूप से आतंकवादी कृत्य माना जाएगा। ज़ेलेंस्की ने कहा कि आज रूस ने खार्किव क्षेत्र में एक यात्री ट्रेन पर ड्रोन से हमला किया। किसी भी देश में, एक नागरिक ट्रेन पर ड्रोन हमले को एक ही तरह से देखा जाएगा - विशुद्ध रूप से आतंकवादी कृत्य। इसे आतंकवादी कृत्य के रूप में वर्गीकृत करने में कोई संदेह नहीं होगा, न यूरोप में, न अमेरिका में, न अरब जगत में, न चीन में, न कहीं और।

ज़ेलेंस्की के अनुसार, एक ड्रोन ने 18 यात्रियों को ले जा रहे एक डिब्बे को निशाना बनाया, जबकि हमले के समय ट्रेन में 200 से अधिक लोग सवार थे। उन्होंने कहा कि हमले में तीन ड्रोन शामिल थे और अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हमले में चार लोग अभी भी लापता हैं और दो अन्य घायल हुए हैं। ट्रेन के डिब्बे में नागरिकों की हत्या का कोई सैन्य औचित्य नहीं है, और न ही हो सकता है। विशेष रूप से, ट्रेन में 200 से अधिक लोग सवार थे, और रूसी ड्रोन द्वारा निशाना बनाए गए डिब्बे में 18 लोग थे। कुल मिलाकर, तीन ड्रोनों से किए गए इस हमले में अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सभी परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस को न केवल व्यक्तिगत हमलों के लिए बल्कि इस तरह के हमलों को अंजाम देने की उसकी बढ़ती क्षमता के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और उन्होंने नागरिकों के जीवन की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का आह्वान किया और वैश्विक समुदाय को एकजुट किया।

व्हाइट हाउस का बड़ा ऐलान, डोनाल्ड ट्रम्प के बोर्ड ऑफ पीस में 20 और देश हुए शामिल

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि 20 और देशों ने 'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया है', हालांकि उन्होंने नए प्रतिभागियों के नाम नहीं बताए। उन्होंने कहा कि शांति बोर्ड, जिसे मूल रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अगले दो वर्षों के लिए गाजा के प्रबंधन की देखरेख करने का दायित्व दिया गया था, अब ट्रम्प प्रशासन द्वारा दुनिया के अन्य हिस्सों में संघर्षों को संबोधित करने के लिए तैयार किया जा रहा है। इस पहल को पश्चिमी देशों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इन्होंने स्वीकार किया कि इस पहल को कुछ पश्चिमी देशों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जो इस बात से असहज हैं कि बोर्ड संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करने का प्रयास कर रहा है।

हालांकि, लेविट ने गाजा से अंतिम बचे इजरायली बंधक की वापसी को ट्रंप, इजरायल और वैश्विक समुदाय के लिए एक बड़ी विदेश नीति उपलब्धि' बताया। यह घोषणा ट्रंप द्वारा 22 जनवरी को दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर अपने बोर्ड ऑफ पीस' पहल को औपचारिक रूप से शुरू करने के लिए चार्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद हुई है। ट्रंप ने पहले इस संस्था को संभावित रूप से अब तक का सबसे प्रतिष्ठित बोर्ड बताया था। इसे एक बहुत ही रोमांचक दिन, जिसकी तैयारी लंबे समय से चल रही थी। बताते हुए ट्रंप ने कहा, हम दुनिया में शांति लाएंगे, ' और आगे कहा, और हम सभी सितारे हैं। अपने शुरुआती भाषण में ट्रंप ने कहा कि ठीक एक साल पहले दुनिया सचमुच आग की लपटों में घिरी हुई थी, बहुत से लोग यह नहीं जानते थे, ' लेकिन उन्होंने दावा किया कि 'कई अच्छी चीजें हो रही हैं' और वैश्विक खतरे 'वास्तव में कम हो रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन आठ युद्धों का निपटारा कर रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)